राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत-गुजरात,संस्करण सोमवार,२९मार्च २०२१ वर्ष-४, अंक -६५ पृष्ठ-०८ मूल्य-०१रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

जाम से निपटने के लिए भारत ने बनाई चार सूत्री योजना, हाताल पर बारीकी से नजर

नई दिल्ली। स्वेज नहर की समस्या से निपटने के लिए भारत ने चार सूत्री योजना बनाई है। इसमें केप ऑफ गुड होप के जरिये जहाजों को गंतव्य तक भेजा जाना शामिल है। वाणिज्य विभाग के लॉजिस्टिक्स डिवीजन ने इस संबंध में शुक्रवार को बैठक बुलाई थी। विभाग द्वारा जारी बयान में कहा गया है कि फिलहाल फंसे हुए जहाज के पीछे लगभग 320 जहाज हैं। प्रतिदिन इस काफिले में 60 जहाज जुड़ते जा रहे हैं। यदि जहाज को निकालने में दो से तीन दिन का समय और लगा तो फंसे हुए जहाजों की संख्या लगभग पांच सौ हो जाएगी। इतने जहाजों को स्वेज नहर से निकलने में लगभग एक सप्ताह का समय लगेगा। बैठक में स्थिति पर बारीकी से नजर रखने का निर्णय लिया गया। बता दें कि भूमध्य सागर को लाल सागर से जोड़ने वाली 193 किलोमीटर लंबे स्वेज नहर एशिया और यूरोप के बीच व्यापार का सबसे छोटा समुद्री मार्ग है। मंगलवार सुबह 2,24,000 टन का कंटेनर जहाज स्वेज नहर में फंस गया था, जिससे जलमार्ग पर यातायात पूरी तरह से अवरुद्ध हो गया है। इसकी वतह से तेल से लेकर उपभोक्ता वस्तुओं को ले जाने वाले कार्गो जहाजों की लंबी कतार लग गई है।

यूरोप में हो सकता है तेल का संकट

स्वेज नहर भूमध्य सागर को लाल सागर से जोड़ती है। इस मार्ग के जरिये एशिया से यूरोप जाने वाले जहाजों को अफ्रीका घूमकर नहीं जाना पड़ता है। अगर शिप को जल्द नहीं हटाया गया तो यूरोप में तेल और गैस का संकट खड़ा हो सकता है। स्वेज नहर विश्व का सबसे व्यस्ततम जलमार्ग है। पिछले वर्ष यहां से 19,000 जहाज गुजरे थे। विश्व व्यापार का लगभग 10 फीसद इसी नहर के माध्यम से होता है। अमेरिका की जो बाइडन सरकार ने मिस्र को मदद की पेशकश करते हुए कहा है कि उसके पास इस तरह की स्थितियों से निपटने के लिए ना केवल क्षमता है बल्कि जरूरी उपकरण भी हैं, जो दूसरे देशों के पास नहीं हैं।

होली मनाने से पहले जान लें क्या हैं आपके शहर में कोरोना गाइडलाइंस

नई दिल्ली। बीते साल होली के बाद कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों के चलते सरकार ने 68 दिनों तक का देशव्यापी लॉकडाउन लगाया था और उसके बाद भी तमाम बंदिशें जारी थीं। लेकिन इस साल होली के पहले ही जिस तरह से कोरोना की दूसरी लहर से हड़कंप मचा है, उसकी चलते कई राज्यों में प्रतिबंध लागू हो गए हैं। इसके चलते होली के रंग में थोड़ा भंग पड़ता दिख रहा है। हालांकि कोरोना से बचाव के लिए यह अहम है कि होली का पर्व सोशल डिस्टैंसिंग बनाए रखते हुए अपनों के बीच ही मनाया जाए ताकि हम संक्रमण से मुक्त रहें और जिंदगी में रंग बने रह सकें। होली को लेकर भी दिल्ली से लेकर महाराष्ट्र तक तमाम राज्यों में गाइडलाइंस जारी की गई हैं। आइए जानते हैं, कहां होली लेकर जारी हुई हैं क्या गाइडलाइंस...

यूपी में होली मिलन पर रोक, दूसरे राज्यों के मुकाबले राहत-उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने बिना अनुमति के होली मिलन समारोह जैसे आयोजित करने पर रोक लगा दी है। यदि कोई ऐसा करना चाहता है तो प्रशासन से अनुमति लेनी होगी। लोगों को मास्क और सैनिटाइजर का प्रयोग करना अनिवार्य होगा। सार्वजनिक स्थानों पर भीड़ जमा होती है तो इसकी पूरी जिम्मेदारी पुलिस की होगी। योगी सरकार ने प्रदेश में फिर से कोविड हेल्प डेस्क को फिर से सक्रिय करने का आदेश दिया है। इसके अलावा, कक्षा एक से आठ तक के सभी परिषदीय और निजी विद्यालयों में 24 से 31 मार्च तक होली का अवकाश रखा जाएगा। हालांकि घर से बाहर न निकलने या फिर बाजार को लेकर यूपी में कोई बंदिश नहीं है।

नोएडा और गाजियाबाद में लागू है धारा 144-भले ही पूरे यूपी में कोरोना गाइडलाइंस को लेकर ज्यादा सख्ती की स्थिति नहीं है, लेकिन होली के मौके पर दिल्ली से सटे नोएडा और गाजियाबाद जैसे शहरों में धारा 144 लागू है यानी 4 से ज्यादा लोग घर से बाहर कहीं एकत्र नहीं हो सकते। साफ है कि होली को लेकर भी यह आदेश लागू रहेगा। ऐसे में यदि आप इन शहरों के निवासी हैं तो फिर सार्वजनिक स्थानों पर होली खेलने से बचें।

उत्तराखंड में होलिका दहन पर भी नियम लागू-कुंभ का आयोजन करने में बिजी उत्तराखंड सरकार ने होली को लेकर भी गाइडलाइंस जारी करते हुए कहा है कि होलिका दहन में महज 50 फीसदी लोगों को रहने की इजाजत होगी। बच्चे और 60 साल से अधिक उम्र के लोगों को इसमें शामिल होने की मंजूरी नहीं होगी। उत्तराखंड के कंटेनमेंट जोन्स में होली सेलिब्रेशन पर पूरी तरह से बैन रहेगा। इन इलाकों में लोग अपने घरों में ही होली खेल सकते हैं। होली के दिन फूड आइटम्स एक-दूसरे परिवार में नहीं बांटे जाएंगे।

झारखंड में होली से ईस्टर तक लागू रहेंगी पाबंदियां-झारखंड सरकार ने भी होली के मौके पर नागरिकों से एहतियात बरतने की अपील की है। राज्य सरकार ने सार्वजनिक रूप से होली, सरहुल, शब-ए-बारात, नवरात्रि रामनवमी, ईस्टर आदि त्योहार मनाने पर सरकार ने प्रतिबंध लगा दिया है। अब लोग अपने घर पर ही परिवार के बीच ये त्योहार मना सकेंगे। सरकार ने स्पष्ट किया है कि रामनवमी और सरहुल पर जुलूस नहीं निकाला जा सकेगा। जुलूस पर पहले से ही प्रतिबंध है।

दिल्ली में भी इकट्ठा होकर नहीं खेल सकेंगे होली-राजधानी दिल्ली में होली समेत अन्य त्योहारों पर सार्वजनिक कार्यक्रम नहीं कर पाएंगे। इकट्ठा होकर होली खेलने की इजाजत नहीं है। लोगों को घरों में ही होली खेलने को कहा गया है। दिल्ली डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी ने भीड़ इकट्ठा करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का फैसला किया है। किसी भी सार्वजनिक जगहों पर होली उत्सव की मनाही रहेगी।

बिहार में भी होली सार्वजनिक स्थलों पर नहीं-बिहार की नीतीश सरकार ने भी होली के सार्वजनिक कार्यक्रमों पर रोक लगा दी है। सीएम नीतीश कुमार ने अपील की है कि होली के समय सार्वजनिक आयोजन न करें, क्योंकि यहां भी कोविड मामले बढ़ने लगे हैं। उन्होंने कहा, हम सभी लोगों से आग्रह करेंगे की सजग और सचेत रहें।

भोपाल और इंदौर में होली जलाने और खेलने दोनों पर रोक

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल और इंदौर में नाइट कर्फ्यू लगा है, जबकि कई शहरों में पाबंदियां बढ़ा दी गई हैं। इस बीच प्रदेश सरकार ने दोनों शहरों में होलिका दहन और होली खेलने पर रोक लगा दी गई है। शनिवार रात से नौ बजे से सुबह छः बजे तक बाजार बंद रहेंगे। सरकार ने निर्देश दिए हैं कि प्रदेश के जिन शहरों/स्थानों में 20 से ज्यादा केस आ रहे हैं, वहां भी सांकेतिक आयोजन ही किये जा सकेंगे। झुण्ड में गेर निकलने, होली खेलने के साथ ही 20 से ज्यादा लोग कहीं नहीं जुट सकेंगे।

चंडीगढ़ में होली पर कोई सार्वजनिक कार्यक्रम नहीं-केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ में भी होली पर सार्वजनिक समारोह नहीं किए जा सकेंगे। प्रशासन के मुताबिक, क्लब, होटल, रेस्टोरेंट को होली के लिए किसी भी तरह के प्रोग्राम करने की अनुमति नहीं होगी। चंडीगढ़ भी उन शहरों में से एक रहा है, जहां कोरोना के ज्यादा मामले मिले हैं। एक तरफ पश्चिमी भारत में मुंबई समेत महाराष्ट्र के कई शहर प्रभावित हैं तो उत्तर भारत में चंडीगढ़ कोरोना से सबसे ज्यादा प्रभावित शहरों में से एक रहा है।

बिहार के हाईप्रोफाइल रूपेश सिंह हत्याकांड में रितुराज की जमानत खारिज, पवन को रिमांड करने का आवेदन

पटना। बिहार की राजधानी पटना के हाईप्रोफाइल इंडिगो मैनेजर रूपेश सिंह हत्याकांड मामले में एसीजेएम सह सब जज-4 उमेश राय ने आरोपित रितुराज की नियमित जमानत पर सुनवाई करने के बाद उसे खारिज कर दिया। कोर्ट ने इस हत्याकांड के अनुसंधानकर्ता द्वारा दाखिल केस डायरी के पारा 77 से 439 तक में पुलिस के द्वारा इकट्ठा किये गये कई जगहों के सीसीटीवी फुटेज और आरोपित की दोषी स्वीकारोक्ति बयान के आधार पर रितुराज की जमानत को खारिज कर दिया। सीसीटीवी फुटेज में घटनास्थल पर जाते तथा वहां से वापस भागते हुए रितुराज को देखा गया है। आरोपित के वकील सूर्य प्रकाश सिंह ने नियमित जमानत अर्जी पर बहस करते हुए कहा कि पटना पुलिस के एसएसपी, गठित एसआईटी के अधिकारियों को 2 फरवरी को ही यह जानकारी और साक्ष्य मिल गया। तब इस कांड के अनुसंधानकर्ता सह शास्त्रीनगर थानेदार ने 12 दिन बाद अभियुक्त को क्यों रिमांड कराया है। इसके साथ ही कई बिंदुओं पर उन्होंने बहस किया। विदित है कि पटना पुलिस ने रितुराज को उसके घर के पास से गिरफ्तार किया और उसके पास से आर्म्स बरामदगी का दावा करते हुए रामकृष्णानगर थानेदार ने जेल भेज दिया था। वहीं, गिरफ्तारी के बाद रामकृष्णानगर थानेदार ने रितुराज का दोष स्वीकारोक्ति बयान दर्ज किया था। इसी बयान के आधार पर रितुराज को रूपेश सिंह हत्याकांड में पटना पुलिस ने रिमांड किया था।

12 जनवरी को हत्या हुई थी-इंडिगो मैनेजर रूपेश सिंह घटनावाले दिन 12 जनवरी को पटना एयरपोर्ट से अपनी ड्यूटी कर पुनाईचक स्थित अपार्टमेंट में जा रहे थे। तभी अपार्टमेंट के गेट पर अपराधियों ने गोलीमार कर उनकी हत्या कर दी थी। इस घटना के संबध में पुलिस ने आपराधिक षड्यंत्र कर गोली मार कर हत्या करने वाले अज्ञात पांच-छह अपराधियों के खिलाफ मामला दर्ज किया था।

पंजाब के मुक्तसर में भाजपा विधायक को किसानों ने बुरी तरह पीटा, फाड़े कपड़े

नई दिल्ली। पंजाब में भाजपा के एक विधायक की शनिवार को मुक्तसर जिले के मलोट में किसानों के एक समूह द्वारा कथित रूप से पिटाई की गई और उनकी शर्ट फाड़ दी गई। पंजाब के मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह ने नारंग पर कथित हमले की कड़ी निंदा की और राज्य में शांति भंग करने की कोशिश करने वाले व्यक्ति के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी। पंजाब में सत्ताधारी कांग्रेस, भाजपा, साथ ही शिरोमणि अकाली दल ने इस घटना की निंदा की। पुलिस ने बताया कि अबोहर के विधायक अरुण नारंग संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करने के लिए मलोट गए थे, जिसका किसानों ने कड़ा विरोध किया। पुलिस उपाधीक्षक (मलोट) जसपाल सिंह ने फोन पर बताया कि वहां तैनात पुलिस अधिकारी नारंग को निकालकर सुरक्षित जगह ले गए। नारंग ने बताया कि उन्हें कुछ लोगों ने घूंसा मारा और उन लोगों ने उन पर काली स्याही भी फेंका। पुलिस ने कहा, 'कुछ पुलिस

कर्मी विधायक और स्थानीय नेताओं को एक दुकान पर ले गए। लेकिन बाद में जब वे इससे बाहर आए तो प्रदर्शनकारियों ने कथित तौर पर नारंग की पिटाई की और उनके कपड़े फाड़ दिए।' नारंग को बचाने में पुलिसकर्मियों को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। पुलिस उपाधीक्षक (मलोट) जसपाल सिंह ने कहा कि प्रदर्शनकारी इस बात पर अड़े थे कि वे भाजपा विधायकों को प्रेस कॉन्फ्रेंस करने नहीं देंगे। सोशल मीडिया पर एक वीडियो सामने आया है, जिसमें कथित तौर पर विधायक को फटे कपड़ों में पुलिस द्वारा सुरक्षित स्थान पर ले जाते हुए दिखाया गया है। पंजाब के मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह ने नारंग पर कथित हमले की कड़ी निंदा करते हुए किसानों से हिंसा के ऐसे कामों में लिप्त नहीं होने का आग्रह किया और स्थिति को बढ़ने से रोकने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से पिछले साल संसद में कृषि कानूनों के पारित होने से उत्पन्न संकट को तुरंत हल करने की अपील की। मुख्यमंत्री ने पुलिस प्रमुख को उन आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिए हैं, जो विधायक को बचाने की कोशिश कर रहे पुलिसकर्मियों से भी भिड़ गए थे।

GTB अस्पताल से फरार हुआ कुख्यात अपराधी कुलदीप पुलिस एनकाउंटर में ढेर

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल के हाथ बड़ी कामयाबी लगी है। सेल ने रोहिणी के सेक्टर 14 के तुलसी अपार्टमेंट के पास एनकाउंटर में कुख्यात अपराधी कुलदीप उर्फ फज्जा को मार गिराया है। पुलिस को खबर मिली थी कि कुलदीप यहां एक फ्लैट में दो दिनों से छुपा हुआ था। इसके अलावा पुलिस ने मौके से कुलदीप के दो साथियों जोगिंदर और भूपेंद्र को हिरासत में लिया है। इन दोनों ने कुलदीप को छुपाने में मदद की। बता दें कि बीते गुरुवार को कुलदीप को दिल्ली पुलिस की थर्ड बटालियन इलाज के लिए लज्जक अस्पताल लेकर आई थी। इसी दौरान कुलदीप अपने साथियों की मदद से पुलिस कस्टडी से भाग निकला। भागते वक्त कुलदीप ने पुलिस पर गोलियां चलाई, जिसके जवाब में पुलिस की तरफ से फायरिंग हुई। इस दौरान कुलदीप तो फरार हो गया लेकिन उसका एक साथी मारा गया और एक पकड़ा लिया गया था। इसके बाद से कुलदीप रोहिणी सेक्टर 14 के तुलसी अपार्टमेंट के एक फ्लैट में छुपा हुआ था। सूचना मिलने पर जब पुलिस इसे पकड़ने गई तब इसने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। जवाब में पुलिस द्वारा बचाव में चलाई गई गोली कुलदीप को लग गई। गंभीर हालत में पुलिस कुलदीप को अस्पताल लेकर पहुंची जहां उसकी मौत हो गई थी। आपको बता दें कि कुलदीप पर हत्या जैसे 70 से अधिक केस दर्ज थे। वो दिल्ली और हरियाणा से वांटेड था। दिल्ली पुलिस ने उस पर 2 लाख का इनाम रखा था। 2020 में दिल्ली पुलिस ने उस पर 2 लाख का इनाम रखा था। 2020 में दिल्ली पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया था। उसकी फरारी के बाद दिल्ली पुलिस की सभी टीम को अलर्ट किया गया था।

हारेगा कोरोना! दिसंबर से अब तक में बड़ा बदलाव, अब 86 प्रतिशत युवाओं का वैक्सीन में बढ़ा भरोसा

नई दिल्ली। दुनियाभर में कोरोना वैक्सीन को लेकर चल रही अफवाह के बीच एक राहत भरी खबर है। पिछले तीन महीने में 86 फीसदी युवा में वैक्सीन को लेकर विश्वास बढ़ा है। एक अध्ययन में दावा किया गया है कि दिसंबर माह में वैक्सीन लगाने में संकोच करने वाले पांच में से चार से अधिक लोगों ने अपना मन बदल है। अब वह वैक्सीन लगाने की बात कर रहे है। यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन के वायरस वॉच अध्ययन के निष्कर्षों से पता चला कि 86 प्रतिशत लोग जो दिसंबर में वैक्सीन लगवाने के बारे में संकोच कर रहे थे अब वह दो महीने बाद वैक्सीन को लेकर सकारात्मक है। यह शोध 25 से 35 वर्ष के लोगों पर किया गया है। यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन के अध्ययन लेखक डॉ पार्थ पटेल ने बताया कि हमने अभी तक डेटा

एकत्र नहीं किया है कि लोगों ने अभी तक अपना दिमाग क्यों बदला है, लेकिन हम जो देख सकते हैं वह कुछ ही महीनों पहले वैक्सीन नहीं लगाने की बात करने वालों ने अपना दिमाग बदल है। अधिकांश लोग टीका पर विचार कर रहे हैं और अपनी बारी का इंतजार कर रहे हैं। डॉक्टर पटेल ने कहा कि हालांकि, असमानताएं अभी भी मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि शोध में पाया गया कि दिसंबर माह में 25 से 35 साल के बच्चों में 75 साल के बुजुर्गों की तुलना में वैक्सीन को मना करने की संभावना लगभग नौ गुना अधिक थी,लेकिन अब स्थिति बदल गई है। वैक्सीन को नहीं लगवाने वाले पांच में से चार युवा अब वैक्सीन लगवाने की बात कर रहे हैं। शोधकर्ताओं ने 14,713 वयस्कों की प्रतिक्रियाओं का विश्लेषण किया, जिन्होंने दोनों समय बिंदुओं पर रिपोर्ट की और पाया कि रवैये में बदलाव सभी जातीय समूहों और सामाजिक अभाव के स्तरों के अनुरूप था। यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन के वायरस वॉच अध्ययन के मुताबिक, एशिया में 90 फीसदी और अफ्रीकी देशों में 88 फीसदी लोगों में वैक्सीन के प्रति नजरिया बदला है।

किस देश में कितने लोगों को लगा टीका

अमेरिका- 13.33 करोड़
चीन - 9.13 करोड़
भारत - 5.55 करोड़
ब्राजील- 1.65 करोड़
तुर्की- 1.42 करोड़

(आंकड़े 25 मार्च 2021 तक के हैं)

होली से ठीक पहले डराने लगे कोरोना के आंकड़े, देश के इन छह राज्यों में तेजी से बढ़ रहे नए मामले

नई दिल्ली। एक दिन बाद यानी सोमवार को रंगो वाली होली खेली जाएगी, लेकिन हर्ष और उल्लास के इस त्योहार पर इस साल भी कोरोना का ग्रहण लग गया है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र समेत कुछ राज्यों में इस तेजी के साथ महामारी फैल रही है कि रंगों के त्योहार का उमंग फीका पड़ गया है। लोगों को हर समय संक्रमित होने का डर सताने लगा है। इसकी ठोस वजह करीब साढ़े पांच महीने बाद शनिवार को देश में सामने आए सर्वाधिक नए मामले हैं। पिछले 10 दिनों में नए दैनिक मामलों की संख्या दो गुना हो गई है। 16 मार्च को 24,492 मामले मिले थे, जबकि शनिवार को 62 हजार से ज्यादा नए मरीज पाए गए। तीन महीने बाद 24 घंटों में 291 मरीजों की मौत भी हुई है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की तरफ से सुबह आठ बजे अपडेट किए गए आंकड़ों के मुताबिक एक दिन में कोरोना वायरस संक्रमण के 62,258 नए मामले सामने आए। इससे पहले

पिछले साल 16 अक्टूबर को इससे ज्यादा 63,371 नए केस मिले थे। कुल संक्रमितों की संख्या बढ़कर एक करोड़ 19 लाख आठ हजार को पार कर गई है। लगातार 17वें दिन नए मामलों में वृद्धि दर्ज की गई है। देश में अब उपचाराधीन मरीजों की संख्या बढ़कर 4,52,647 हो गई है, जो संक्रमण के कुल मामलों का 3.80 प्रतिशत है, जबकि मरीजों के ठीक होने की दर घटकर 94.85 प्रतिशत और मृत्यु दर घटकर 1.35 फीसद रह गई है। संक्रमण से 291 और मरीजों की मौत हुई है, जिनमें महाराष्ट्र में 112, पंजाब में 59, छत्तीसगढ़ में 22, केरल में 14 और कर्नाटक में 13 मौतें शामिल हैं। इसके साथ ही मृतकों की संख्या बढ़कर 1,61,240 हो गई है। वहीं, अब तक एक करोड़ 12 लाख 95 हजार से ज्यादा मरीज महामारी को मात भी दे चुके हैं। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आइसीएमआर) के अनुसार 26 मार्च तक देशभर में 23 करोड़ 97 लाख 69 हजार 553 नमूनों की जांच की जा चुकी है। इसमें शुक्रवार को जांचे गए 11,64,915 नमूने भी शामिल हैं।

छह राज्यों में तेजी से बढ़ रहे कोरोना के दैनिक मामले

स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि छह राज्यों - महाराष्ट्र, पंजाब, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, गुजरात और मध्य प्रदेश- में कोरोना के दैनिक मामलों में बढ़ोतरी देखने को मिल रही है और बीते 24 घंटों के दौरान सामने आए संक्रमण के 79.57 प्रतिशत मामले इन्हीं राज्यों से हैं। महाराष्ट्र में सर्वाधिक 36,902 नए मामले सामने आए। उसके बाद पंजाब में 3,122 और छत्तीसगढ़ में 2,665 नए मामले मिले हैं। इनको मिलाकर कुल 10 राज्यों में नए मामले बढ़ रहे हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

होली इस बार भी कोरोना संकट के साये मे

हमारे सारे पर्व जीवन की जड़ता और एकरसता तोड़ते हैं, लेकिन रंगों का त्योहार होली यह काम कहीं अनूठे ढंग से करती है और इसीलिए इसकी प्रतीक्षा रहती है। हालांकि पिछली बार की तरह इस बार भी कोरोना संकट के साये के चलते होली सावधानी से मनानी होगी। हम सबको ऐसा कुछ करने से बचना होगा, जिससे कोरोना का संक्रमण बढ़े। चूंकि होली मिलने-जुलने और समूह में एकत्रित होकर आनंद की अनुभूति करने का त्योहार है, इसलिए इस सबसे बचना एक कठिन काम है, लेकिन समय की मांग यही है कि शारीरिक दूरी का यथासंभव पालन किया जाए। इसके बाद भी यह अच्छे से स्मरण रहे कि होली सामाजिक दूरी के निषेध का विशेष संदेश देती है। इस संदेश को ग्रहण करते हुए हमें इस तथ्य को ओझल भी नहीं करना चाहिए कि अतीत में त्योहारों के बाद कोरोना के मरीजों की संख्या में वृद्धि देखने को मिली। ऐसे में यह जरूरी है कि होली अपेक्षाकृत छोटे समूहों में मनाएं। कोरोना ने रंगोत्सव के समक्ष अनचाही बंदिशें अवश्य खड़ी कर दी हैं, लेकिन हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि होली उल्लास, उमंग और अपनत्व का पर्व है। यह हर तरह के भेद मिटाने और सबको अपना बनाने-समझने का त्योहार है। इन भावनाओं के प्रकटीकरण करने में कुछ भी आड़े नहीं आना चाहिए-कोरोना संक्रमण का भय भी नहीं। वास्तव में कोरोना संकट ने हमें यह एक अवसर प्रदान किया है कि होली को हम परंपरागत तरीके से मनाएं और ऐसा करते हुए अपनी परंपराओं के साथ हजारों साल पुरानी उस महान विरासत का स्मरण करें, जिसके हम वारिस हैं और जो हमें विशिष्ट बनाती है। होली पर हम केवल रंगों से ही नहीं, उमंग, अपनत्व और सद्भाव की रसधार से भी भीगते हैं। होली हमारी संस्कृति का एक ऐसा उत्सव है, जो हमारे भीतर के बंधनों को खोलता है, मन को उल्लास से भरता है और आनंद की आस पूरी करता है। देश ही नहीं, दुनिया में हर कोई अपने जीवन में जिस खुशी की तलाश में रहता है, उसे यदि कोई अच्छे से पूरा करता है तो वह है होली का आगमन। हमारे अन्य पर्वो की तरह होली भी बुराई पर अच्छाई की जीत का संदेश देती है। यह प्रकृति को सहेजने और उसकी रक्षा का भी संदेश देती है। होली में रंग-उमंग के साथ जो अपनापन समाहित है, उसे पाने और दर्शाने के लिए यह आवश्यक है कि हम अपने अंदर की बुराइयों का शमन करें। इससे ही घर, परिवार, समाज और देश में सद्भाव और सुख-शांति का संचार होगा। आज इसकी कहीं अधिक आवश्यकता है। इस आवश्यकता की पूर्ति ही होली को और अधिक उल्लासमय बनाएगी।

आज के ट्वीट

वोट

'दुनिया के सबसे मूर्ख मतदाता भारत में रहते हैं, जो अवैध घुसपैठियों की पैरवी करने वाले नेताओं को भी वोट देते हैं'- यूरोपियन टाइम्स

- पुष्पेंद्र कुलश्रेष्ठ

कोरोना की छाया में होली की आहट

- गिरीश्वर मिश्र

इसबार ठंड और ठिठुरन का मौसम कुछ लंबा ही खिंच गया। पहाड़ों पर होती अच्छी बर्फवारी के चलते मैदानी इलाके की हवा रह-रहकर गलाने वाली होने लगी थी। बीच में कई दिन ऐसे भी आए जब सूर्यदेव भी कम दिखे और सिहरन कुछ ज्यादा बढ़ गई। पर ठिठुरन बाहर से अधिक अन्दर की भी थी। सौ साल में कभी ऐसी उठापटक न हुई थी जैसी करोना महामारी के चलते हुई, सबकुछ बेतरतीब और ठप-सा होने लगा। एक लंबा खिचा दु-स्वप्न जीवन की सच्चाई बन रहा था। सांस लेने पर बंदिश और स्पर्श करने से संक्रमण के महाभय के अज्ञात प्रसार की चिंता से सभी विचलित और सकते में आ चुके थे। सभी तरह के भेदों से ऊपर उठकर संसार के अधिकाँश देश एक-एक कर कोरोना की चपेट में आते गए। इस यातना की महागाथा में स्कूल, कालेज, आफिस, फैक्ट्री हर कहीं बाधा, व्यवधान और पीड़ा का विस्तार होता गया। शहरों से पलायन और विस्थापन की दर्दनाक घटनाओं के विवरण देख सुनकर लोगों की सोच में भी धुंध आती-जाती रही। भारत की विशाल जनसंख्या और ख़ास तौर पर शहरों और महानगरों में फैली इस महामारी ने जीने से जुड़े हर कारोबार को हिला दिया। इस बीच यह बात साफ़ होती गई कि देर-सबेर मनुष्य को अपने किए को भोगना ही होता है उससे नहीं बचा जा सकता। कोरोना की बंदी के बीच प्रकृति को जरूर सांस लेने का कुछ मौक़ा मिला। पृथ्वी, जल और वायु सभी अपने मूल स्वभाव में आने लगे। प्रदूषण कम हुआ, धूल-धक्कड़, धुआं के कम होने और शोर थमने से पर्यावरण को भी राहत मिली। यह संतोष की बात है कि भारत की सरकार और जनता ने बड़े ही धैर्य के साथ इस भीषण चुनौती का सामना किया और अब देश में बने करोना के टीके के साथ चाक-चौबंद होकर जीने की गति अब पटरी पर पर आने लगी है। अब तो साल बीतने को आया जब से समाज और भौतिक परिवेश पर संशय का पहरा लगा था। लाकडाउन यानी घरबंदी जैसा नियम अफनाने वाला था। मौत की दहशत तले गप-शप, घूमने-फिरने और इधर-उधर की आवाजाही पर रोक-टोक ने जीवन की धारा बदला दी। सामाजिक दूरी बनाकर और मुंह पर मास्क लगाना निजी आचरण का हिस्सा बन गया। यह सब भी तब घर से बाहर निकलना बेहद जरूरी हो नहीं तो घर में बंद रहने में ही भलाई है। पर वक्त रुकता नहीं है और एक सा भी नहीं रहता है। परिवर्तन शुरू हो चुका है और धीरे-धीरे लोग बाग़ अपने मूल स्वभाव की ओर लौटने लगे हैं। हाट बाजार में रौनक भी दिखने लगी है। साथ ही कोरोना के दूसरे दौर की आहट भी सुनाई पड़ने लगी है और करोना के कहर का खौफ फिर छाने लगा है। इस बीच परिवर्तन को याद दिलाती अनथक चलती प्रकृति अपनी गति से चल रही है। हवाओं के मिजाज बदलने के साथ फूल-पत्ते रंग बदलने लगे हैं और गुनगुनी धूप मन को प्रफुल्लित करने वाली हो रही है। संकेत मिल रहा है कि फागुन आने वाला है और फगुआ का उत्सव भी करीब है। उत्सव की उछाह व्यष्टि मन और समष्टि के चित्त को समरस करती है। ' होली है भाई होली है ' की गूँज के साथ जाति, आयु, पद और प्रतिष्ठा की सामाजिक सीमाएं और किंचित मर्यादाओं लांघते और सबको समेटते हुए एक धरातल पर सबको लाने का यह अद्भुत समारोह होलिका दहन की रात के बाद आयोजित होता है। होलिका दहन की ज्वाला में सारे दोष, मैल स्वाहा किए जाते हैं और सुबह उसकी राख का टीका लगाते हैं और रंगों के त्यौहार का आगाज होता है। झुण्ड बनाकर गाते-बजाते लोग अपने गाँव-मोहल्ले में घर- घर घूमते हैं। झाल, मजीरा, ढोलक के साथ 'सदा आनंद रहे एही द्वारे मोहन खेलें फाग' और 'शिव शंकर खेलें फाग गौरा संग लिए' जैसे फाग गाये जाते हैं। रंग, अबीर और गुलाल के साथ एक-दूसरे को रंगने, चिढ़ने-चिढ़ाने और छकाने के साथ दोपहर तक खूब हुड़दंग मचती है। हर घर में हैसियत के अनुसार आगंतुक होरियारों की आवभगत की जाती है। गुझिया, मठरी, नमकीन, ठंडई आदि पेय से स्वागत किया जाता है। कभी-कभी भांग मिला देने पर व्यक्ति को कुछ हल्की नशे की तरंग उठती है। हास-परिहास, उमंग-उल्लास और नेह-छोह के साथ मेल-मिलाप का यह दौर बेतकल्लुफ होता है। धीरे-धीरे शहरों में समुदाय के स्तर पर होली मिलन आयोजित होने लगा है। बच्चे जरूर पिचकारी में रंग भर उल्लसित भाव से आने जाने वाले लोगों को रंग से सराबोर करते नहीं थकते। दोपहर होते-होते लोग स्नान कर स्वच्छ होते हैं और भोजन विश्राम के बाद संध्या को नए या स्वच्छ वस्त्र पहन परस्पर स्नेह मिलन होता है। साझेदारी और एक-दूसरे से सुख-दु:ख बांटना ही पूरे उपक्रम का प्रयोजन होता है। होली भावनाओं, संवेगों और रिश्तों को संजोने, सजाने और संवारने के अवसर के रूप में जीवन और साहित्य दोनों में उपस्थित रहा है। भारतीय संस्कृति के प्रतीक भावपुरुष श्रीकृष्ण और वरदायी शिव शम्भु दोनों ही होली के उल्लास, हास और विलास की कथाओं के महानायक हैं। श्रीकृष्ण और राधा माधुर्य के प्रतिमान हैं और उनके अछोर अथाह प्रेम की भावना ने लोक जीवन में स्थान बनाया है। ब्रज और बरसाने की लट्ठमार होली आज भी विश्वप्रसिद्ध है और उसे देखने कोने कोने से लोग जुटते हैं। अनेक कवियों ने अवध के राम और नंद गाँव और बरसाने के कृष्ण कन्हैया की मधुर छवियों को केन्द्र से रख कर बड़ी मोहक रचनाएँ की हैं। श्रृंगार और प्रेम के रस में पगी राग रंग की इन दुर्लभ कविताओं का आकर्षण अभी भी काव्य-रसिकों की प्रिय पसंद बना हुआ है। कृष्ण और गोपियों के प्रसंग तो विशेष रूप से स्मरण किए जाते हैं जिनमें कृष्ण को मन भर खूब छकाया जाता है और फिर आमंत्रित भी किया जाता है: नैन नचाइ कही मुसकाइ लला फिर आइयो खेलन होरी ! भारतीय जीवन समाज और परिवेश के बीच पलता-बढ़ता है। यहां मनुष्य और प्रकृति एक दूसरे के सहचर हैं न कि प्रतिद्वन्दी इसलिए यहां का आदमी सालभर रंग बदलती प्रकृति के साथ संचाद भी करता चलता है। साथ ही हर उत्सव व्यक्ति को उसकी निजता की खोल (आवरण) से बाहर निकलने का अवसर उपस्थित करता है। शायद व्यक्ति के अहंकार के विसर्जन के उपाय के रूप में भी

उत्सवों को सामाजिक रूप दिया गया इसलिए यहां के परम्परागत पर्व और त्योहार जहां एक ओर ऋतुओं के साथ सामंजस्य बैठाते हैं तो दूसरी ओर लोक-जीवन को भी कई तरह से समृद्ध करते चलते हैं। होली भी आम और खास सबमें उन्मुक्त भाव से सकारात्मक ऊर्जा का संचार करने वाला पर्व है। आज जब अहंकार, घृणा और द्वेष फन काढ़कर सामाजिक समरसता और शान्ति को चुनौती दे रहे हैं तो होली का पर्व उनसे उबरने का निमंत्रण दे रहा है क्योंकि जीवन की संभावना कटुता और तिक्तता में नहीं सरसता और सहकार में है। होली वस्तुत: रस में भींगने-भिगाने का एक महा उत्सव है जिसमें बड़े-छोटे, ऊँच-नीच, बाल-वृद्ध आदि का भेद भुलाकर लोग एक-दूसरे को गुदगुदाने, हंसने- हंसाने और रंगों से सराबोर करने की छूट ले लेते हैं। होली का त्योहार पूरी तरह से एक लोकतांत्रिक भाव-संवाद का अवसर देता है जिसमें जाति और वर्ग की सामाजिक सीमाएँ टूटती हैं। इस अवसर पर झिझक छोड़ लोगों के मन की गांठें भी खुलती हैं, दरारें पटती हैं और भाईचारे के रिश्ते प्रगाढ होते हैं। इन सबमें एक तरह की 'सोशल इंजीनियरिग' की देसी युक्ति काम करती है। होली की बात अधूरी रहेगी यदि इस अवसर के व्यंजनों की बात न हो। भारतीय त्योहार खास किस्म के व्यंजनों के साथ भी जुड़े होते हैं। होली के अवसर पर मावा और मेवा के साथ बनी मीठी गुझिया और मठरी अनिवार्य व्यंजन हुआ करते हैं। अब दही में पगा 'दही बड़ा' भी इसमें शामिल हो गया है। पूड़ी, मौसम में उपलब्ध शाक-सब्जी और अंचार से सज्जित प्रेम से परोसी गई थाली सभी को बड़ी प्रिय लगती है। दोपहर तक छककर होली खेलने के बाद रंग छुड़ाने की कोशिश होती है और स्नान करने के बाद भूख भी लगी रहती है जिससे लोग रुचि लेकर भोजन करते हैं। फिर विश्राम के बाद नए या साफ सुथरे वस्त्रों में लोग एक-दूसरे से मिलते-जुलते हैं। सचमुच होली एक सम्पूर्ण त्योहार है जिसमें व्यक्ति मिथ्या घेरों, घरौदों और दायरों से बाहर निकलता है और आसपास के परिवेश को जानता पहचानता है। ऐसा हो भी क्यों न! आखिर दीन दुनिया से जुड़कर ही तो जीवन सम्भव होता है। दूसरों के लिए भी जगह होनी चाहिए और उनके सुख-दुख को अपना सुख-दुख मानने से ही सामाजिक प्रगति सम्भव हो सकेगी। कोरोना की छाया में होली अधिक अनुशासित होने की मांग करती है।

ज्ञान गंगा

सफलता

जग्गी वासुदेव/ अपनी सफलता के लिए कोई नुस्खा बनाने की कोशिश मत कीजिए। असली सफलता तब है जब आप अपनी पूरी क्षमता को इस्तेमाल करते हैं। इससे फर्क नहीं पड़ता कि आप एक डाक्टर बनते हैं या एक राजनेता, या एक योगी, या कुछ और; सफलता का मतलब है कि आप अपना जीवन अपनी पूरी क्षमता में जी रहे हैं। अगर ऐसा होना है, तो आपको समझ और एक सक्रिय बुद्धिमत्ता की जरूरत होती है। 'मैं अपनी बुद्धिमत्ता को कैसे विकसित करूं?' उसकी चिंता मत कीजिए। महत्वपूर्ण चीज यह है कि आप अपनी समझ को बढ़ाएं। अगर आप जीवन को बस वैसा ही देख पाते हैं, जैसा वह है, तो इसे अच्छे से चलाने के लिए आपके पास जरूरी बुद्धिमत्ता होगी। अगर आप जीवन को वैसा नहीं देख पाते जैसा वह है, तो आपकी बुद्धिमत्ता आपके खिलाफ काम करेगी। इस धरती पर बुद्धिमान लोग आम तौर पर धरती के सबसे दुखी लोग हैं। ऐसा इसलिए है कि उनके पास एक सक्रिय बुद्धिमत्ता है, लेकिन जीवन की कोई समझ नहीं है। आज लोग अपने दिमाग का विस्तार करने की कोशिश कर रहे हैं। यह उनको सामाजिक रूप से सफल बना सकता है, न कि सचमुच सफल। आप सचमुच सफल होना चाहते हैं, तो आपको हर चीज को वैसे ही देख पाना चाहिए, जैसी वह है, बिना किसी विकृति के। आप हर चीज वैसी ही देख सकते हैं, जैसी वह है तो जीवन एक नाटक, एक खेल बन जाता है। आप इसे आनंदपूर्वक खेल सकते हैं और यकीनन अच्छे से खेल सकते हैं। आप इसे अच्छे से खेल सकते हैं तो लोग कहेंगे कि आप सफल हैं। आपको सफलता की आकांक्षा नहीं करनी चाहिए। यह अपने जीवन को बनाने का तकलीफदेह तरीका है। आप खुद को और हर किसी को पीड़ा और क्लेश पहुंचाएंगे क्योंकि अभी सफलता की आपकी सोच है कि हर किसी को आपसे नीचे होना चाहिए और आपको सबसे ऊपर। यह सफलता नहीं है; यह बीमारी है। यह कभी मत सोचिए, 'मैं सफल होना चाहता हूं।' बस यह देखिए कि खुद को संपूर्ण प्राणी कैसे बनाएं, और आप अभिव्यक्ति पा लेंगे। अच्छी अभिव्यक्ति पाता है तो लोग कहेंगे, 'वह व्यक्ति एक महान सफलता है!' लोगों को पहचानना चाहिए कि आप सफल व्यक्ति हैं, लेकिन आपको यह नहीं सोचते रहना चाहिए कि कैसे सफल बनें। यह जीवन के प्रति गलत रवैया है।

आज का राशिफल

मेष शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। किसी रिश्तेदार के आगमन से मन प्रसन्न होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा।

वृषभ पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। खान-पान में संतुलन बना कर रखें। मकान, सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।

मिथुन दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। आय के नये स्त्रोत बनेंगे। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी अपेक्षित है।

कर्क पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में सफलता मिलेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। धन लाभ होगा।

सिंह रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कन्या पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा।

तुला आर्थिक योजना सफल होगी। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किसी रिश्तेदार से तनाव मिल सकता है। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

वृश्चिक पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। अधीनस्थ कर्मचारी का सहयोग रहेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

धनु जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। फिजूलखर्ची से बचें अन्यथा कर्ज की स्थिति आ सकती है। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। धन हानि की संभावना है।

मकर दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कुम्भ गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। खान पान में संयम रखें। स्वास्थ्य शिथिल रहेगा। आमोद प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी।

मीन पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। नेत्र विकार की संभावना है। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

राग-रंग-उमंग भरी होली

- देवेन्द्रराज सुथार

होली उमंग, उल्लास, मस्ती, रोमांच और प्रेम आह्वान का त्योहार है। कलुषित भावनाओं का होलिका दहन कर नेह की ज्योति जलाने और सभी को एक रंग में रंगकर बंधुत्व को बढ़ाने वाला यह त्योहार आज देश ही नहीं बल्कि विदेशों में भी पूरे जोश के साथ जोरों-शोरों से मनाया जाता है। भले विदेशों में मनाई जाने वाली होली का मौसम के हिसाब से समय और मनाने के तरीके अलग-अलग हो पर संदेश सभी का एक ही है- 'प्रेम और भाईचारा।' होली शीत ऋतु की विदाई और ग्रीष्म ऋतु के आगमन का सांकेतिक पर्व है। प्रकृति के पांवों में पायल की छमछम बसंत के बाद इस समय पतझड़ के कारण साख से पत्ते टूटकर दूर हो रहे होते हैं। ऐसे में परस्पर एकता, लगाव और मैत्री को एक साथ एक सूत्र में बांधने का संदेशवाहक यह त्योहार वातावरण को महुए की गंध की मादकता, पलाश और आम की मंजरियों की महक से चमत्कृत कर देता है। फाल्गुन मास की निराली बासंती हवाओं में संस्कृति के परंपरागत परिधानों में आंतरिक प्रेमानुभूति सुसज्जित होकर चहुंओर मस्ती की भंग आलम बिखेरती है, जिससे दु:ख-दर्द भूलकर लोग रंगों में डूब जाते हैं। जब बात होली की हो तो ब्रज की होली को भला कैसे बिसराया जा सकता है। ढोलक की थाप और झांझतों की झंकार के साथ लोकगीतों की स्वर लहरियों से वसुधा के कण-कण को प्रेममय क्रीडाओं के लिए आकर्षित करने वाली होली ब्रज की गलियों में बड़े ही अद्भुत ढंग से मनायी जाती है। फागुन मास में कृष्ण और राधा के मध्य होने वाली प्रेम-लीलाओं के आनंद का यह त्योहार प्रकृति के साथ जनमानस में सकारात्मकता और नवीन ऊर्जा का संचार करने वाला है। यकीनन होली के इस माहौल में मन बौरा जाता है। नायक और नायिका के बीच बढ़ रही इसी उत्तेजना, उत्कंठा और चटपटाहट को हिन्दी के कई रचनाधर्मी कवियों ने अपनी रचनाओं में ढाला है, वो वाकई अद्भुत है। अनुराग और प्रीति के इस त्योहार का भक्तिकालीन और रीतिकालीन काव्य में सृजनधर्मा रचना प्रेमियों ने बखूबी से चित्रण किया है। आदिकालीन कवि विद्यापति से लेकर भक्तिकालीन कवि सूरदास, रहीम, रसखान, पद्माकर, जायसी, मीरा, कबीर और रीतिकालीन कवि बिहारी, केशव, घनानंद सहित सगुन साकार और निर्गुण निराकर भक्तिमय प्रेम और फाल्गुन का फाग भरा रस सभी के अंतस की अतल गहराइयों को स्पर्श करके गुजरा हैं। सूफी संत अमीर खुसरो ने प्रेम की कितनी उत्कृष्ट व्याख्या की है- 'खुसरो दरिया प्रेम का, सो उल्टी वाकी धार। जो उबरा सो डूब गया, जो डूबा हुआ पार।।'होली का त्योहार मन-प्रणय मिलन और विरह वेदना के बाद सुखद प्रेमानुभूति के आनंद का प्रतीक है। राग-रंग और अल्हड़पन का झरोखा, नित नूतन आनंद के अतिरेकी उद्गार की छाया, राग-द्वेष का क्षय कर प्रीति के इंद्रधनुषी रंग बिखेरने वाला यह त्योहार कितनी ही लोककथाओं और किंवदंतियों में गुंथा हुआ है। प्रह्लाद और हिरण्यकश्यप की कथा जनमानस में सर्वाधिक प्रचलित है। बुराई का प्रतीक होलिका अच्छाई के प्रतीक ईश्वर श्रद्धा के अनुपम उदाहरण प्रह्लाद का बाल भी बांका नहीं कर सकी। बुराई भले कितनी ही बुरी क्यों न हो पर अच्छाई के आगे उसका मिटना तय है। लेकिन इसके विपरीत आज बदलते दौर में होली को मनाने के पारंपरिक तरीकों की जगह आधुनिक अश्लील तरीकों ने ले ली हैं। जिसके फलस्वरुप अब शरीर के अंगों से केसर और चंदन की सुगंध की बजाय गोबर की दुर्गंध आने लग गई है। लोकगीतों में मादकता भरा सुरमय संगीत विलुप्त होने लगा है और अब उसकी जगह अभद्र शब्दों की मुद्राएं भी अंकित दिखलाई पड़ने लगी हैं। फाल्गुन के प्राचीन उपमा-अलंकार कहां गये? मदन मंजरियों का क्या हुआ? पांवों में महावर लगाई वे सुंदरियां कहां गईं जो बसंत के स्वागत में फागुनी गीत गाती संध्या के समय अभिसार के लिए निकला करती थीं? चंग-डफ की थाप और ढोलक की गूंज के साथ फाग गायन को सुनने के लिए अब कान तरस रहे हैं। आधुनिकता और संचार क्रांति के युग में उपकरणों के बढ़ते उपयोग ने होली को खुले मैदान, गली-मोहल्लों से मोबाइल के स्क्रीन पर लाकर रख दिया है। अब लोग होली वाले दिन भी घर में डूब के बैठे रहते हैं। ये कहे कि आधुनिक होली वाट्सएप और फेसबुक के संदेशों तक सिमट कर रह गई है। होली को बिंदास, मस्ताने और अल्हड़ तरीके से मनाने की पारंपरिक पद्धति के खंडन ने होली को कइयों के लिए हानिकारक भी बना दिया है। मदिरा पीकर नाली का कीचड़ मुंह पर लगाकर गाली-गलौज के साथ ही कइयों ने तेजाब तक उछाल कर होली के जरिए अपनी दुश्मनी निकालने के भरसक प्रयत्न किये हैं। इसी कारण मस्ती और खुशियों की सौगात देना वाला होली का त्योहार घातक सिद्ध होने लगा है। होली के रंगों का केवल भौतिक ही नहीं बल्कि आत्मिक महत्व भी है। रंग हमारी उमंग में वृद्धि करते हैं और हर रंग का मानव जीवन से गहरा अंतर्संबंध जुड़ा हुआ है। लेकिन आज प्राकृतिक रंगों की जगह केमिकल रंगों के प्रयोग ने मानव त्वचा को सर्वाधिक नुकसान पहुंचाया है। वहीं बढ़ती महंगाई और मिलावट ने पारंपरिक मिष्ठान का स्वाद भी बिगाड़ने का काम किया है। साल दर साल होली के गुणों में न्यूनता आती जा रही हैं। होली के फीके होते रंगों में रौनक लौटाकर जनमन में आस्था और विश्वास जगाने की आज बेहद जरूरत है। केवल होलिका दहन के नाम पर घास-फूस को ही नहीं जलायें अपितु मानव समाज की उन तमाम बुराइयों का भी दहन करें जो हमारे भीतर अलगाव और आतंक को फैला रही है।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

पीएम मोदी ने कहा, मधुमक्खी पालन से बढ़ेगी किसानों की आय, जीवन में मिठास भी घुलेगा

नई दिल्ली।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के किसानों से मधुमक्खी पालन से जुड़ने की अपील की है। प्रधानमंत्री ने अपने %मन की बात% रेडियो कार्यक्रम के दौरान रविवार को कहा कि मधुमक्खी पालन से किसानों की आय बढ़ेगी और यह उनके जीवन में मिठास भी घोलेगा। प्रधानमंत्री ने कहा, मैं चाहता हूं कि देश के ज्यादा से ज्यादा किसान अपनी खेती के साथ-साथ मधुमक्खी पालन से भी जुड़ें। ये किसानों की आय भी बढ़ाएगा और उनके जीवन में मिठास भी घोलेगा। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत के कृषि जगत में आधुनिकता समय की मांग है। उन्होंने कहा, बहुत देर हो चुकी है। हम बहुत समय गवां चुके हैं। कृषि क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर पैदा करने के लिए, किसानों की आय बढ़ाने के लिए, परंपरागत कृषि के साथ-साथ नए विकल्पों को, नए-नए नवाचारों को अपनाना भी उतना ही जरूरी है। श्वेत क्रांति के दौरान देश ने इसका अनुभव किया है।

उन्होंने कहा कि अब मीठी भी ऐसा ही एक विकल्प बन करके उभर रहा है। मधुमक्खी पालन देश में शहद क्रांति या मीठी क्रांति का आधार बना रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि बड़ी संख्या में किसान इससे जुड़ रहे हैं और इनोवेशन (नवाचार)कर रहे हैं। उन्होंने कहा, पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग में एक गांव है गुरदुम। पहाड़ों की इतनी ऊंचाई, भौगोलिक दिक्कतें, लेकिन, यहां के लोगों ने मधुमक्खी पालन का काम शुरू किया, और आज, इस जगह पर बने शहद की अच्छी मांग है। इससे किसानों की आमदनी भी बढ़ रही है। पश्चिम बंगाल के ही सुंदरबन इलाके का प्राकृतिक आर्गेनिक शहद को देश-दुनिया में पसंद किया जाता है। उन्होंने आगे कहा, ऐसा ही एक व्यक्तिगत अनुभव मुझे गुजरात का भी है। गुजरात के बनासकांठा में वर्ष 2016 में एक आयोजन हुआ था। उस कार्यक्रम में मैंने लोगों से कहा कि यहां इतनी संभावनाएं हैं। क्यों न बनासकांठा और हमारे यहां के किसान मीठी क्रांति का नया अध्याय लिखें?

सर्राफा एमसीएक्स समीक्षा: सोना टूटा, चांदी मजबूत

मुंबई: अंतराष्ट्रीय बाजार में कीमती धातुओं में रही गिरावट का असर घरेलू स्तर पर भी रहा जिससे बीते सप्ताह घरेलू वायदा बाजार में सोने की कीमतों में गिरावट देखी गई जबकि चांदी की चमक बढ़ गई। सप्ताहांत पर एमसीएक्स सोना वायदा 299 रुपए घटकर 44,587 रुपए प्रति दस ग्राम पर रहा तथा चांदी 342 रुपए बढ़कर 67,821 रुपए प्रति किलो हो गई। वही सोना मिनी 342 रुपए की साप्ताहिक गिरावट के साथ 44,542 रुपए प्रति दस ग्राम रहा तथा चांदी मिनी भी 235 रुपए कमजोर हो कर 65,015 रुपए प्रति किलो बोली गई। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में सप्ताह के दौरान सोना हाजिर 12 डॉलर कमजोर हुआ और शुक्रवार को 1724 डॉलर प्रति औंस पर बंद हुआ। अमेरिकी सोना वायदा भी 18 डॉलर लुढ़क कर 1724 डॉलर प्रति औंस बोला गया। चांदी हाजिर सप्ताह के दौरान मामूली रूप से एक डॉलर घटकर सप्ताहांत पर 25.03 डॉलर प्रति औंस के भाव पर बंद हुई।

कोरोनाकाल में रिमोट एक्सेस प्रोटोकॉल पर साइबर हमले बढ़े

नई दिल्ली। कोरोना महामारी के समय में दुनियाभर में वर्क फॉम होम का चलन बढ़ा, लेकिन इसके साथ ही बीते साल में रिमोट एक्सेस प्रोटोकॉल्स के खिलाफ साइबर हमले का सिलसिला भी काफी बढ़ा है। एक नई रिपोर्ट में यह खुलासा हुआ है। साइबर सिक्योरिटी फर्म कैस्परस्काई के एक रिसर्च में दिखाया गया है कि घर से काम शुरू करने के बाद आरडीपी (रिमोट डेस्कटॉप प्रोटोकॉल) के खिलाफ ब्रूट फोर्स के अटैक ने आसमान छुआ है। यह शायद सबसे लोकप्रिय रिमोट डेस्कटॉप प्रोटोकॉल है, जिसका इस्तेमाल विंडोज या सर्वर्स के एक्सेस के लिए किया जाता है। साल 2020 के नवंबर में दुनियाभर में अटैक के 40.9 करोड़ की संख्या के साथ इसने एक नई ऊंचाई को छुआ है। ब्रूट फोर्स अटैक में हमलावर अलग-अलग यूजरनेम और पासवर्ड का इस्तेमाल तब तक करते रहते हैं, जब तक कि उन्हें सही कॉम्बिनेशन और कॉर्पोरेट सिंसिज का एक्सेस नहीं मिल जाता है। कैस्परस्काई की टेलीमेट्री के मुताबिक, साल 2020 के मार्च में जब लॉकडाउन हुआ, उस वक्त आरडीपी के खिलाफ ब्रूट फोर्स अटैक की संख्या फरवरी में दर्ज 9.31 करोड़ से सीधा 27.74 करोड़ तक जा पहुंचा। यानी इसमें 197 फीसदी का इजाफा हुआ है। भारत के संदर्भ में फरवरी, 2020 में यह 13 लाख की संख्या से मार्च के महीने में 33 लाख तक पहुंच गया। अप्रैल से मासिक तौर पर यह कभी 30 करोड़ की संख्या से नीचे गया ही नहीं है। बीते साल नवंबर में 40.9 करोड़ की संख्या के साथ एक नया रिकॉर्ड कायम किया है। ब्योरे के मुताबिक, भारत में जुलाई, 2020 में दर्ज हमले की सबसे अधिक संख्या 45 लाख आंकी गई।

साल 2020 में स्मार्टफोन पैनल मार्केट में दिखा सैमसंग का दबदबा

सोल । सैमसंग डिस्प्ले ने बीते साल दुनिया भर में स्मार्टफोन डिस्प्ले पैनल के मार्केट में 50 फीसदी हिस्सेदारी के साथ अपना वर्चस्व स्थापित किया है। शुक्रवार को एक रिपोर्ट में इसका खुलासा हुआ है, जिसमें महामारी के समय में कंपनी द्वारा किए गए आय का खुलासा किया गया है। मार्केट रिसर्चर स्ट्रेटेजी एनालिटिक्स के मुताबिक, दुनिया के सबसे बड़े स्मार्टफोन निर्माता सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स की इस सहयोगी कंपनी ने राजस्व के मामले में पिछले साल दुनिया भर के स्मार्टफोन पैनल बाजार में आधे हिस्से का प्रतिनिधित्व किया है। योनहाप न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक, साल 2020 में वैश्विक स्मार्टफोन डिस्प्ले पैनल के बाजार में बीते साल 43 अरब डॉलर की जोरदार वृद्धि हुई है, जिसमें इससे एक साल पहले की तुलना में 7 फीसदी की बढ़ोत्तरी थी। आंकड़े के मुताबिक, इस क्रम में सैमसंग डिस्प्ले के बाद 15 फीसदी बाजार हिस्सेदारी के साथ चीन की प्रौद्योगिकी कंपनी बोओई टेक्नोलॉजी समूह, 8 फीसदी हिस्सेदारी के साथ एलजी डिस्प्ले शामिल हैं।

अमेरिका ने बासमती चावल पर 25 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ लगाया

नई दिल्ली। अमेरिका के बाइडेन प्रशासन ने पहली बार प्रतिशोधात्मक कार्रवाई करते हुए भारत के खिलाफ बड़ा फैसला लिया है। बाइडेन प्रशासन ने भारत के करीब 40 उत्पादों पर 25 फीसदी प्रतिरोधी टैरिफ या अतिरिक्त टैक्स लगाया है। यह अतिरिक्त टैक्स झींगा, बासमती चावल, सोना-चांदी के उत्पादों समेत अन्य वस्तुओं पर लगाया गया है। भारत की ओर से नॉन-रेजिडेंट ई-कॉमर्स ऑपरेटर्स से ली जा रही इक्विलाइजेशन लेवी या डिजिटल सर्विसेज टैक्स के विरोध में यह अतिरिक्त टैरिफ लगाया गया है। यूनाइडेट स्टेट्स ट्रेड रिप्रेजेंटेटिव ने कहा कि वह भारतीय उत्पादों पर उतनी ड्यूटी लगाएगा, जितना टैक्स भारत वसूल रहा है। इसी साल जनवरी में स्ज्ञ्रक्र ने कहा था कि ऑस्ट्रिया, भारत, इटली, स्पेन, तुर्की और ब्रिटेन की ओर से लगाया गया डिजिटल टैक्स गलत है। इसके खिलाफ सेक्शन 301 के तहत कार्यवाही की जा सकती है क्योंकि यह अमेरिका की डिजिटल कंपपनियों के प्रति भेदभाव करता है।

स्कोडा का अभी भारतीय बाजार में इलेक्ट्रिक वाहन लाने का इरादा नहीं

नई दिल्ली: चेक गणराज्य की वाहन कंपनी स्कोडा फिलहाल भारतीय बाजार में इलेक्ट्रिक कार नहीं उतारेगी। कंपनी का मानना है कि फिलहाल भारतीय बाजार ऐसे वाहनों के लिए तैयार नहीं है। यहां ऐसे वाहनों की खरीद की लागत काफी ऊंची है। कंपनी भारतीय बाजार में रैपिड और सुपर्ब की बिक्री करती है। इसके अलावा वह यहां जुलाई में एसयूवी कुशक उतारने की तैयारी कर रही है। इसके साथ ही कंपनी ने डीजल पावरट्रेन से भी दूरी बनाने का फैसला किया है। कंपनी भारतीय बाजार में सिर्फ पेट्रोल वाली कारें उतारेगी। स्कोडा ऑटो फॉक्सवैगन इंडिया के प्रबंध निदेशक गुरप्रताप बोपाराय ने कहा, ''भारत में अभी आम लोगों के लिए इलेक्ट्रिक वाहन सस्ते नहीं हैं। बैटरी के दाम नीचे आए हैं लेकिन ये इंटरनल कम्बशन इंजन कारों का मुकाबला करने की स्थिति में नहीं हैं। अभी इसमें कुछ साल लगेंगे। बोपाराय ने कहा कि भारत में अभी इलेक्ट्रिक कार कारोबार आर्थिक रूप से व्यावहारिक नहीं है। भारत 2.0 परियोजना के तहत जर्मनी के वाहन समूह फॉक्सवैगन ने 2018 में घोषणा की थी कि वह 2019 से 2021 के दौरान अपनी मौजूदगी बढ़ाने की रणनीति के तहत एक अरब यूरो का निवेश करेगा। जून, 2018 से स्कोडा फॉक्सवैगन समूह की ओर से भारत 2.0 परियोजना को आगे बढ़ा रही है। बोपाराय ने बताया कि फॉक्सवैगन समूह की इलेक्ट्रिक वाहन खंड में उपस्थिति रहेगी। समूह की कंपनी ऑडी यहां प्रीमियम इलेक्ट्रिक वाहन उतारेगी।

कोविड-19 के मामले बढ़ने के बीच ब्याज दरों को यथावत रखेगा रिजर्व बैंक: विशेषज्ञ

मुंबई:

कोरोना वायरस महामारी को लेकर पैदा हुई अनिश्चितता के बीच भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा आगामी मौद्रिक समीक्षा में ब्याज दरों के मोर्चे पर यथास्थिति कायम रखे जाने की उम्मीद है। विशेषज्ञों का मानना है कि केंद्रीय बैंक वृद्धि को प्रोत्साहन के उपाय करने से पहले अभी कुछ समय और इंतजार करेगा। रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकान्त दास की अगुवाई वाली मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की तीन दिन की बैठक के बाद केंद्रीय बैंक सात अप्रैल को 2021-22 के वित्त वर्ष के लिए पहली मौद्रिक नीति समीक्षा की घोषणा करेगा। इससे पहले पांच फरवरी को पिछली मौद्रिक नीति समिति की बैठक में रिजर्व बैंक ने रेपो दर में कोई बदलाव नहीं किया था। विशेषज्ञों का मानना है कि रिजर्व बैंक अपने नरम रुख को जारी रखेगा और किसी मौद्रिक कार्रवाई के लिए उचित अवसर का इंतजार करेगा, जिससे मुद्रास्फीति पर नियंत्रण के मुख्य लक्ष्य के साथ वृद्धि को प्रोत्साहन के उपाय भी किए जा सकें। डन एंड ब्रैडस्ट्रीट की रिपोर्ट में कहा गया है कि कोविड-19 संक्रमण के मामले बढ़ने से कई राज्यों ने नए अंकुश लगाए हैं जिससे औद्योगिक उत्पादन में पुनरुद्धार को लेकर आशंका पैदा हो गई है। डन एंड ब्रैडस्ट्रीट के वैश्विक मुख्य अर्थशास्त्री अरुण सिंह ने कहा कि दीर्घावधि की प्राप्ति सख्त हो रही है जिससे कर्ज की लागत बढ़ी है। उन्होंने कहा कि इस संदर्भ में रिजर्व बैंक के समक्ष मुद्रास्फीति दबाव का प्रबंधन करने के साथ कर्ज की लागत में बढ़ोतरी को रोकने की मुश्किल चुनौती है। एनारॉक प्रॉपर्टी कंसल्टेंट्स के चेयरमैन अनुज पुरी ने कहा कि उपभोक्ता मुद्रास्फीति अभी स्थिर नहीं हो पाई है। फरवरी, 2020 से रेपो दर में भी 1.15 प्रतिशत की उल्लेखनीय कटौती की गई है। ऐसे में रिजर्व बैंक संभवतः नीतिगत दरों को यथावत रखेगा। पुरी ने कहा कि केंद्रीय बैंक की निगाह मुद्रास्फीति और आर्थिक पुनरुद्धार पर रहेगी। उन्होंने कहा कि भारत में महामारी का दूसरा दौर शुरू हो गया है। कई राज्यों और शहरों में आंशिक लॉकडाउन लगाया गया है। ऐसे में इस बात की संभावना अधिक बनती है कि रिजर्व बैंक यथास्थिति कायम रखेगा। यूबीएस सिक्योरिटीज इंडिया की अर्थशास्त्री तन्वी गुप्ता

जैन ने उम्मीद जताई कि रिजर्व बैंक निकट भविष्य के लिए तरलता को संतोषजनक स्तर पर रखेगा, जिससे सरकार के उधारी कार्यक्रम में किसी तरह की अड़चन नहीं आए। साथ ही केंद्रीय बैंक कोविड-19 के मामले बढ़ने के बीच आर्थिक वृद्धि को समर्थन देने का प्रयास करेगा। इस बीच, आनंद राठी की रिपोर्ट में कहा गया है कि खुदरा मुद्रास्फीति का नरम रुख हाल के समय में पलटा है, जिससे रिजर्व बैंक पर दबाव बढ़ेगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि मुख्य मुद्रास्फीति बढ़ने से रिजर्व बैंक के लिए मुश्किल होगी। इसके बावजूद वृद्धि की चिंता के बीच केंद्रीय बैंक नरम मौद्रिक रुख को जारी रखेगा।

भारतीय कंपनियों नेआईपीओ से जुटाए 31,000 करोड़ रुपए

नई दिल्ली:

वैश्विक बाजारों में तरलता की बेहतर स्थिति तथा घरेलू शेयर बाजारों में 'तेजड़िया दौड़' के चलते भारतीय कंपनियों ने चालू वित्त वर्ष (2020-21) में आरंभिक सार्वजनिक निर्गमों (आईपीओ) से 31,000 करोड़ रुपए जुटाए हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि अगले वित्त वर्ष 2021-22 के लिए भी आईपीओ पाइपलाइन काफी मजबूत बनी हुई है। यह पिछले तीन साल के दौरान आईपीओ से जुटाई गई राशि का सबसे ऊंचा आंकड़ा है।

आईआईएफएल सिक्योरिटीज के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ)-खुदरा संदीप भारद्वाज ने कहा कि आईपीओ पाइपलाइन काफी मजबूत है। 28 कंपनियों के पास 28,710 करोड़ रुपए जुटाने को आईपीओ के लिए भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की मंजूरी है। सेंट्रम कैपिटल के प्रबंध निदेशक-निवेश बैंकिंग राजेंद्र नाइक ने कहा कि 2021-22 में एलआईसी, एचडीबी फाइनेंशियल सर्विसेज, एनसीडीईएक्स, ईएसएएफ स्मॉल फाइनेंस बैंक का आईपीओ आने की उम्मीद है।

विश्लेषकों के अनुसार, शेयर बाजारों के पास उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, 2020-21 में 30 कंपनियों ने आईपीओ के जरिए 31,277 करोड़ रुपए जुटाए। इससे पिछले वित्त वर्ष में 13 आईपीओ के जरिए 20,352 करोड़ रुपए की राशि जुटाई गई थी। इसी तरह 2018-19 में 14 कंपनियों ने आईपीओ से 14,719 करोड़ रुपए जुटाए थे। वहीं 2017-18 में 45 कंपनियों ने आईपीओ से 82,109 करोड़ रुपए जुटाए थे। वित्त वर्ष 2020-21 में आईपीओ के अलावा यस बैंक का 15,000 करोड़ रुपए का अनुवर्ती सार्वजनिक निर्गम (एफपीओ) भी आया था। विशेषज्ञों ने कहा कि समीक्षाधीन अवधि में आईपीओ बाजार में काफी विविधता रही। इस दौरान आभूषण, प्रौद्योगिकी, स्पेशियल्टी रसायन, बैंकिंग और वित्तीय सेवा कंपनियों के आईपीओ आए। नाइक ने कहा, ''शेयर बाजारों में तेजड़िया दौड़ की वजह से कंपनियां आईपीओ के जरिये धन जुटा रही हैं। द्वितीयक बाजार में धारणा सुधरने से प्राथमिक बाजार को भी समर्थन मिला है।'' आईआईएफएल सिक्योरिटीज के भारद्वाज ने कहा कि दुनियाभर में प्रणाली में पर्याप्त तरलता की स्थिति, संभावनाओं वाले नए क्षेत्रों के कारोबार और भारत को लेकर उम्मीद, मांग और वृद्धि की कहानी की वजह से आईपीओ बाजार में तेजी है। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वीके विजयकुमार ने कहा कि बाजार में तरलता के मामले में आधिक्य की स्थिति है। इस वजह से बड़ी संख्या में खुदरा निवेशक बाजार की ओर आकर्षित हुए हैं।

डीडी फ्री डिश के ग्राहकों की संख्या चार करोड़ के पार: रिपोर्ट

नई दिल्ली: सरकारी प्रसारक प्रसार भारती की डायरेक्ट-टू-होम (डीटीएच) सेवा डीडी फ्री डिश के ग्राहकों की संख्या 4 करोड़ को पार कर गई है। एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। ईवाई फिक्की की मीडिया एंटरटेनमेंट रिपोर्ट-2021 में कहा गया है कि प्रसार भारती की बहु-चैनल फ्री-टू-एयर डीटीएच सेवा के दर्शकों की संख्या में बढ़ोतरी की मुख्य वजह टेलीविजन सेट सस्ते होना, आर्थिक मुद्दे और डीटी रेट्रो चैनल शुरू होना तथा बड़े प्रसारकों का फ्री डिश प्लेटफॉर्म पर लौटना है। रिपोर्ट में कहा गया है कि डीडी फ्री डिश मजबूत वृद्धि की राह पर है। इसके ग्राहकों की संख्या चार करोड़ को पार कर गई है। एक बयान में कहा गया है कि 2025 तक टीवी सेट वाले परिवारों की संख्या पांच प्रतिशत की दर से बढ़ेगी। इसमें कनेक्टेड टीवी का प्रमुख योगदान होगा, जिसकी संख्या 2025 तक चार करोड़ हो जाएगी। डीडी फ्री डिश के ग्राहकों की संख्या पांच करोड़ को पार कर जाएगी। डीडी फ्री डिश का मुख्य उद्देश्य लोगों को बिना किसी शुल्क के गुणवत्ता वाले मनोरंजन और सूचना का एक वैकल्पिक व सस्ता मंच उपलब्ध कराना है। फिलहाल डीडी फ्री डिश 161 चैनल दिखाता है। इसमें से 91 दूरदर्शन चैनल हैं।

नए कृषि कानून लागू नहीं हुए, तो हासिल नहीं होगा किसानों की आय दोगुना करने का लक्ष्य: रमेश चंद

बिजनेस डेस्क: नीति आयोग के सदस्य रमेश चंद ने कहा है कि यदि तीनों नए कृषि कानूनों का कार्यान्वयन जल्द नहीं होता है, तो 2022 तक किसानों की आय को दोगुना करने का लक्ष्य हासिल नहीं हो पाएगा। उन्होंने कहा कि किसान यूनियनों को सरकार की इन कानूनों पर धारा-दर-धारा के आधार पर विचार-विमर्श की पेशकश को स्वीकार करना चाहिए। नीति आयोग के सदस्य (कृषि) चंद ने कहा कि जीन संवर्धित फसलों पर पूर्ण प्रतिबंध सही रवैया नहीं होगा। दिल्ली की सीमा पर किसान यूनियनें पिछले चार महीने से इन नए कृषि कानूनों का विरोध कर रही हैं। सरकार और यूनियनों के बीच इन कानूनों को लेकर 11 दौर की बातचीत हो चुकी है। आखिरी दौर की वार्ता 22 जनवरी को हुई थी। 26 जनवरी को किसानों की ट्रैक्टर रैली में हुई हिंसा के बाद बातचीत का सिलसिला टूट गया था। किसानों का कहना है कि इन कानूनों से राज्यों द्वारा न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर फसलों की खरीद व्यवस्था समाप्त हो जाएगी।

सरकार ने किसानों नेताओं को दिया एक मजबूत विकल्प

चंद ने कहा, ''इसका रास्ता कुछ देने और कुछ लेने से ही निकल सकता है। यदि आप अपनी मांग पर टिके रहते हैं, तो आगे कोई वांछित रास्ता निकलना मुश्किल होगा।'' नीति आयोग के सदस्य-कृषि ने कहा कि सरकार ने किसानों नेताओं को एक मजबूत विकल्प दिया है। यह इन कानूनों को डेढ़ साल तक रोकने का विकल्प है। चंद ने बताया कि सरकार किसानों के साथ इन कानूनों पर धारा-दर-धारा विचार करने को तैयार है। किसानों नेताओं को इस पेशकश पर विचार करना चाहिए। उन्होंने कहा, ''ठंडे दिमाग और संतुलित तरीके से विचार के लिए काफी समय है। शुरुआती प्रक्रिया भावनात्मक या किसी दबाव में हो सकती है लेकिन मुझे लगता है कि अब सभी ठंडे दिमाग से इसपर विचार करेंगे।''

किसानों को खुले दिल से रखनी चाहिए अपनी बात

चंद ने कहा, ''किसान नेताओं को अपनी प्रतिक्रिया देनी चाहिए। उन्हें वहां बदलाव की मांग करनी चाहिए जहां उन्हें लगता है कि यह उनके हित के खिलाफ है।'' उन्होंने कहा कि आंदोलन कर रहे किसानों को अपनी बात खुले दिल से रखनी चाहिए। अन्यथा उनकी चुप्पी उनके खिलाफ जाएगी।

कोरोना के कारण शेयर बाजार में गिरावट जारी

मुंबई:

वैश्विक स्तर के मुख्य सूचकांकों में उतार-चढाव के बीच घरेलू स्तर पर कोरोना मामलों में भारी बढ़ोतरी से शेयर बाजार पर दबाव का दौर जारी है जिससे बीते सप्ताह शेयर बाजार में गिरावट दर्ज की गई। इससे पिछले सप्ताह भी शेयर बाजार में गिरावट हुई थी। बीएसई के 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स पिछले सप्ताह के मुकाबले 850 अंक लुढ़क कर 49,008.50 अंक पर और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 237 अंकों की गिरावट के साथ 14,507 अंक पर रहा। बीएसई मिडकैप सूचकांक बीते सप्ताह के मुकाबले 35 अंकों की गिरावट के साथ बीस हजार से नीचे उतरते हुए 19,970.37 अंक पर और स्मॉलकैप सूचकांक 409 अंक लुढ़क कर 20,062.06 अंक पर बंद हुआ। दोनों सूचकांकों में पिछले सप्ताह भी गिरावट हुई थी। विश्लेषकों का कहना है कि अगले सप्ताह बाजार में अधिक उतार चढ़ाव की उम्मीद नहीं है लेकिन छोटे निवेशकों को सतर्क रहने की जरूरत है। विदेशी निवेशक बिकवाली कर सकते हैं जिससे गिरावट देखी जा सकती है। इस दौरान शेयर बाजार में तीन कारोबारी दिवस के दौरान भारी गिरावट दर्ज की गई और दो सत्र के दौरान तेजी रही। शेयर बाजार में सोमवार को गिरावट, मंगलवार को तेजी, बुधवार और गुरुवार को भी गिरावट तथा शुक्रवार को कंस्यूमर

ड्युरेबल्स समूह की कंपनियों में सर्वाधिक 858.53 अंक और धातु क्षेत्र की कंपनियों में 469.72 अंक की बढ़ोतरी से सप्ताहांत पर शेयर बाजार उछाल के साथ बंद हुआ।

देश की सड़कों पर दौड़ रहे हैं 4 करोड़ पुराने वाहन, Green tax लगाने की तैयारी में सरकार

बिजनेस डेस्क:

देश की सड़कों पर अभी 15 साल से अधिक पुराने चार करोड़ वाहन दौड़ रहे हैं। ये वाहन हरित कर के दायरे में आते हैं। पुराने वाहनों के मामले में कर्नाटक शीर्ष पर है। कर्नाटक की सड़कों पर ऐसे 70 लाख वाहन दौड़ रहे हैं। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने देशभर में ऐसे वाहनों के आंकड़ों को डिजिटल किया है। हालांकि, इनमें आंध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश, तेलंगाना और लक्षद्वीप शामिल नहीं हैं। इन राज्यों के आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं। ऐसे वाहनों पर हरित कर लगाने का प्रस्ताव राज्यों को पहले ही भेजा जा चुका है। आंकड़ों के अनुसार, 4 करोड़ से अधिक वाहन 15 साल से ज्यादा पुराने हैं। इनमें से दो करोड़ वाहन तो 20 साल से अधिक पुराने हैं।

पुराने वाहनों में दिल्ली तीसरे स्थान पर

मंत्रालय ने कहा कि वाहनों का डिजिटल रिकॉर्ड केंद्रीयकृत वाहन डाटाबेस पर आधारित है। इसमें आंध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश, तेलंगाना और लक्षद्वीप शामिल नहीं हैं। पुराने प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों की दृष्टि से उत्तर प्रदेश दूसरे स्थान पर है। उत्तर प्रदेश में ऐसे वाहनों की संख्या 56.54 लाख है, जिनमें से 24.55 लाख वाहन 20 साल से अधिक पुराने हैं। राजधानी दिल्ली 49.93 लाख वाहनों के साथ तीसरे स्थान पर है। दिल्ली में 35.11 लाख वाहन 20 साल से अधिक पुराने हैं। केरल में ऐसे वाहनों की संख्या 34.64 लाख, तमिलनाडु में 33.43 लाख, पंजाब में 25.38 लाख और पश्चिम बंगाल में 22.69 लाख है।

इस साल जनवरी में नितिन गडकरी ने रखा था प्रस्ताव

महाराष्ट्र, ओडिशा, गुजरात, राजस्थान और हरियाणा में ऐसे वाहनों की संख्या 17.58 लाख से 12.29 लाख के बीच है। वहीं झारखंड, उत्तराखंड, छत्तीसगढ़, हिमाचल प्रदेश, पुडुचेरी, असम, बिहार, गोवा, त्रिपुरा और संघ शासित प्रदेश दादरा एवं नगर हवेली तथा दमन एवं दीव में ऐसे वाहनों की संख्या एक लाख से 5.44 लाख के बीच है। आंकड़ों के अनुसार, शेष राज्यों में ऐसे वाहनों की संख्या एक लाख से कम है। सरकार पर्यावरण संरक्षण और प्रदूषण पर अंकुश के लिए ऐसे पुराने वाहनों पर जल्द हरित कर लगाने की तैयारी कर रही है। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने इस साल जनवरी में प्रदूषण फैलाने वाले पुराने वाहनों पर हरित कर लगाने का प्रस्ताव किया था।

सेंसेक्स की शीर्ष 10 में से सात कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 1.07 लाख करोड़ रुपए घटा

नई दिल्ली:

सेंसेक्स की शीर्ष 10 में से सात कंपनियों के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में बीते सप्ताह सामूहिक रूप से 1,07,566.64 करोड़ रुपए की गिरावट आई। इसमें से आधा नुकसान अकेले रिलायंस इंडस्ट्रीज को उठाना पड़ा। सप्ताह के दौरान बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 849.74 अंक या 1.70 प्रतिशत टूट गया। शीर्ष 10 कंपनियों में सिर्फ टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), हिंदुस्तान यूनिलीवर (एचयूएल) और एचडीएफसी के बाजार मूल्यांकन में इजाफा हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 55,565.21 करोड़ रुपए घटकर 12,64,243.20 करोड़ रुपए रह गया। बजाज फाइनेंस की बाजार हैसियत 16,197.55 करोड़ रुपए घटकर 3,12,327.04 करोड़ रुपए और भारतीय स्टेट बैंक की 12,494.45 करोड़ रुपए के नुकसान से 3,18,697.88 करोड़ रुपए रह गई। कोटक महिंद्रा बैंक का बाजार पूंजीकरण 11,681.66 करोड़ रुपए की गिरावट के साथ 3,51,272.18 करोड़ रुपए और आईसीआईसीआई बैंक 5,467.63 करोड़ रुपए घटकर

4,00,093.61 करोड़ रुपए पर आ गया। इन्फोसिस की बाजार हैसियत 3,751.92 करोड़ रुपए घटकर 5,69,352.11 करोड़ रुपए रह गई। एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 2,408.22 करोड़ रुपए के नुकसान से 8,22,616.51 करोड़ रुपए पर आ गया। इस रुख के उलट टीसीएस का बाजार मूल्यांकन 1,812.54 करोड़ रुपए बढ़कर 11,34,924.45 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। हिंदुस्तान यूनिलीवर की बाजार हैसियत 364.19 करोड़ रुपए बढ़कर 5,43,924.22 रुपए पर और एचडीएफसी की 62.77 करोड़ रुपए की वृद्धि के साथ 4,56,741.20 करोड़ रुपए पर पहुंच गई। शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही। उसके बाद क्रमशः टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, इन्फोसिस, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एचडीएफसी, आईसीआईसीआई बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, एसबीआई और बजाज फाइनेंस का स्थान रहा।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अमरिंदर और मैं गोलकीपर के लिए एक दूसरे का नाम देते हैं : संधू

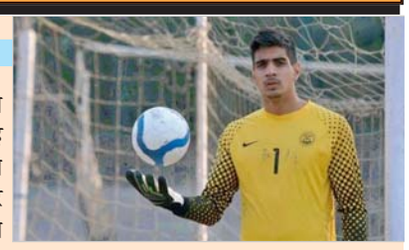

नई दिल्ली। भारतीय फुटबॉल टीम के गोलकीपर गुरप्रीत सिंह संधू ने कहा कि जब भी राष्ट्रीय टीम के लिए गोलकीपर के रूप में पहली पसंद की बात होती है तो वह तथा अमरिंदर सिंह एक-दूसरे का नाम लेते हैं। संधू पिछले पांच वर्षों से गोलकीपर के रूप में पहली पसंद रहे हैं लेकिन ओमान के खिलाफ पिछले मुकाबले में अमरिंदर ने गोलकीपर की भूमिका अदा की थी। यह मुकाबला 1-1 से ड्रॉ रहा था। संधू ने वर्चुअल प्रेस वार्ता में कहा, अगर अमरिंदर की जगह सिंधू और सिंधू की जगह अमरिंदर नहीं होता तो मुझे यकीन है कि हम इस स्तर पर नहीं खेल रहे होते। भाग्यशाली समझता हूं कि मैं उनके लिए हूं और वह मेरे लिए हैं। जब हम राष्ट्रीय टीम में आए तो हमने एक ही चीज सोची कि टीम के लिए बेहतर क्या है। टीम के कोच इगोर स्टीमाक ने कहा, जब आपके पास दो अच्छे गोलकीपर होते हैं तो किसे खेलाना है यह थोड़ा कठिन हो जाता है। दोनों अच्छे खिलाड़ी होने के साथ-साथ बेहतर इंसान भी हैं। संधू और अमरिंदर टीम का माहौल सकारात्मक रखने के लिए हर संभव कोशिश करते हैं।

शूटिंग विश्व कप : 15 स्वर्ण सहित 30 पदक लेकर शीर्ष पर रहा भारत

नई दिल्ली।

भारतीय निशानेबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए यहां हुए आईएसएसएफ शूटिंग विश्व कप में 15 स्वर्ण पदक सहित 30 पदक लेकर शीर्ष स्थान हासिल किया। भारतीय पुरुष और महिला निशानेबाजों ने टूर्नामेंट के अंतिम दिन रविवार को ट्रैप टीम इवेंट्स में स्वर्ण पदक जीते। राजेश्वरी कुमारी, मनीषा कीर और श्रेयसी सिंह ने महिला वर्ग तथा किनान चेनाई, पृथ्वीराज तोंडाएमान और लक्ष्य ने पुरुष वर्ग में स्वर्ण पदक जीता। श्रेयसी, राजेश्वरी और मनीषा ने महिला वर्ग के फाइनल में कजाखस्तान की सारसेंकुल रिसबेकोवा, एझान दोसमागमबेतोवा और मारिया दिमित्रियेंको को 6-0 से हराया। इसके बाद पुरुष वर्ग में चेनाई, पृथ्वीराज और लक्ष्य ने स्लोवाकिया के माइकल स्लाम्का, एदरिएन द्रोबनी और फिलिप मारिनोव को 6-4 से हराया। इस बीच, भारत के विजयवीर सिद्धू, गुरप्रीत सिंह और आदर्श सिंह को पुरुष 25 मीट रैपिड फायर पिस्टल इवेंट में अमेरिका के कीथ सैंडरसन, जैक होबसन लेवेरेट तृतीय और हेनरी टर्नर लेवेरेट से 2-10 से हार का सामना कर रजत पदक से संतोष करना पड़ा। भारत ने इस शूटिंग विश्व कप में 30 पदक जीते जिनमें 15 स्वर्ण, नौ रजत और छह कांस्य पदक शामिल हैं। भारत के बाद अमेरिका आठ पदकों के साथ दूसरे स्थान पर रहा जिसमें चार स्वर्ण, तीन रजत और एक कांस्य पदक जीते। 10 दिनों तक चले इस टूर्नामेंट में कुल 22 देशों के निशानेबाजों ने पदक जीते। इस विश्व कप में 53 देशों के कुल 294 निशानेबाजों ने हिस्सा लिया। कोरोना वायरस के कारण खेल गतिविधियां ठप्प होने के बाद देश में यह पहला अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक खेल इवेंट था।

टेस्ट, टी20 सीरीज के लिए पाकिस्तान की मेजबानी करेगा जिम्बाब्वे

हरारे।

जिम्बाब्वे अगले महीने 21 अप्रैल से हरारे में दो टेस्ट और तीन मैचों की टी20 सीरीज के लिए पाकिस्तान की मेजबानी करेगी। सीरीज के सभी मैच बिना दर्शकों के खाली स्टेडियम में खेले जाएंगे। जनवरी 2020 में श्रीलंका के बाद यह पहला मौका होगा, जब कोई टीम जिम्बाब्वे का दौरा करेगी। कोविड.19 महामारी के कारण पिछले साल नीदरलैंड्स, आयरलैंड, अफगानिस्तान और भारत ने जिम्बाब्वे का दौरा स्थगित कर दिया था। जुलाई 2019 में अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) द्वारा निलंबित किए जाने के बाद से जिम्बाब्वे टेस्ट क्रिकेट खेलने के लिए संघर्ष कर रहा है। हालांकि आईसीसी ने अक्टूबर 2019 में निलंबन हटा दिया था और इसके बावजूद उसने अब तक ज्यादा टेस्ट मैच नहीं खेला है। जिम्बाब्वे ने इस महीने की शुरूआत में यूएई में अफगानिस्तान के साथ एक टेस्ट और टी20 मैचों की सीरीज खेली थी। जिम्बाब्वे और पाकिस्तान के बीच 21 से 25 अप्रैल तक टी20 सीरीज और 29 अप्रैल से 11 मई तक टेस्ट सीरीज खेली जाएगी।

साइना बाहर, कृष्णा-विष्णु ओरलियांस मास्टर्स के फाइनल में पहुंचे

पेरिस । साइना नेहवाल ओरलियांस मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला एकल सेमीफाइनल में हारकर बाहर हो गई जबकि पुरूष युगल वर्ग में कृष्णा प्रसाद गारागा और विष्णु वर्धन गौड़ पंजाला की जोड़ी फाइनल में पहुंच गई। लंदन ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता साइना को डेनमार्क की लाइन क्रिस्टोफरसेन ने 28 मिनट में 21.17, 21.17 से हराया। वहीं महिला युगल में अश्विनी पोनप्पा और एन सिक्की रेड्डी को थाईलैंड की जे किटिथाराकुल और रविंडा प्राजोंगजाइ ने 21.18, 21.9 से मात दी। कृष्णा और विष्णु ने हालांकि ब्रिटेन के कालम हेमिंग और स्टीवन स्टालवुड को 21.17, 21.17 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। इस साल पहली बार साथ खेल रही भारतीय जोड़ी का सामना अब चौथी वरीयता प्राप्त इंग्लैंड के बेन लेन और सीन वेंडी से होगा। कृष्णा युगल में भारत के नंबर एक खिलाड़ी हैं जो पहले जूनियर दिनों में सात्विक साइराज रांकिरेड्डी के साथ खेलते थे। मिश्रित युगल में अश्विनी पोनप्पा और ध्रुव कपिता को सेमीफाइनल में डेनमार्क के निकलस नोर और अमेली एम ने 21.9, 21.23, 21.7 से हराया।

पीएम मोदी ने मन की बात में मिताली की उपलब्धियों को सराहा

नई दिल्ली।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात में भारतीय महिला वनडे टीम की कप्तान मिताली राज की उपलब्धियों की जमकर तारीफ की। 38 साल की मिताली ने हाल में इंटरनेशनल क्रिकेट में अपने 10,000 रन पूरे किए हैं और वह ऐसा करने वाली भारत की पहली महिला क्रिकेटर बनी हैं। प्रधानमंत्री ने मिताली की इस उपलब्धि के लिए उन्हें बधाई भी दी। मिताली महिला वनडे इंटरनेशनल में 7000 रन पूरे करने वाली भी पहली महिला क्रिकेटर हैं। मोदी ने मन की बात के 75वें एपिसोड में कहा, भारतीय क्रिकेट टीम की मिताली राज हाल ही में इंटरनेशनल क्रिकेट में 10,000 रन पूरे करने वाली पहली महिला क्रिकेटर बनीं हैं। उन्हें बहुत-बहुत बधाई। वह महिला वनडे इंटरनेशनल में 7000 रन पूरे करने वाली भी पहली महिला क्रिकेटर हैं। महिला क्रिकेटर में उनका योगदान शानदार है। प्रधानमंत्री ने आगे कहा, मिताली ने अपने करीब दो दशक लंबे करियर में कई लोगों को प्रभावित किया है। उनकी मेहनत और कामयाबी की कहानी न सिर्फ महिला बल्कि पुरुष क्रिकेटरों के लिए भी एक प्रेरणा है। मिताली ने भारत के लिए अब तक 214 वनडे मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने 51.06 की औसत से 7098 रन बनाए हैं। इसमें उनके नाम सात शतक और 55 अर्धशतक हैं। उन्होंने साथ ही 89 टी20 इंटरनेशनल मैचों में 2368 रन बनाए हैं। पीएम मोदी ने मिताली के अलावा आईएसएसएफ विश्व कप राइफल/पिस्टल/शॉटगन में भारतीय निशानेबाजों के प्रदर्शन की भी तारीफ की। भारत ने इस विश्व कप में 15 स्वर्ण सहित कुल 30 पदक जीते। मोदी ने साथ ही इस महीने स्विस ओपन में रजत पदक जीतने वाली महिला बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु की उपलब्धियों की भी चर्चा की।

संक्षिप्त समाचार

सिटसिपास ने मियामी ओपन के चौथे दौर में प्रवेश किया , तीन स्टार खिलाड़ियों की अनुपस्थिति का सिटसिपास को मिला फायदा

मियामी। दूसरी वरीयता प्राप्त स्टेफानोस सिटसिपास ने दामिर जुमहुर पर जीत दर्ज कर मियामी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के चौथे दौर में जगह सुनिश्चित की। टेनिस के दिग्गज सितारों रोजर फेडरर और राफेल नडाल ने चोट के कारण टूर्नामेंट से हटने का जबकि नोवाक जोकोविच ने भी इस टूर्नामेंट में नहीं खेलने फैसला किया। इन तीनों स्टार खिलाड़ियों की अनुपस्थिति का सिटसिपास को फायदा मिला जिन्होंने जुमहुर पर तीसरे दौर में 6-1 6-4 से जीत दर्ज की। सिटसिपास ने स्टार खिलाड़ियों की अनुपस्थिति के बारे में बात करते हुए कहा कि भविष्य में ऐसा समय भी आयेगा जब यह ज्यादा नियमित रूप से होने लगेगा इसलिये हां, हमें उनके बिना खेलने का स्वाद चखने का मौका मिला। अब सिटसिपास का सामना केई निशिकोरी से होगा जिन्होंने अलजाज बेडने को 7-6 5-7 6-4 से हराया। वहीं खिताब के अन्य दावेदार आंद्रे रूबलेव और डेनिस शापोवालोव ने भी अपने मुकाबले जीत लिए। रूबलेव ने टेनिस सैंडग्रेन पर 6-1 6-2 से जबकि शापोवालोव ने इलिया इवाश्का पर 6-7 6-4 6-4 से जीत दर्ज की। मारिन सिलिच ने क्रिस्टियन गारिन को 3-6, 7-5, 7-6 से शिकस्त दी। महिलाओं के वर्ग में शीर्ष रैंकिंग की खिलाड़ी एश बार्टी और तीन बार की चैम्पियन विक्टोरिया अजारेंका ने राउंड 16 में जगह सुनिश्चित की। बार्टी ने येलेना ओस्टापेंको को 6-3 6-2 से हराया जबकि 14वीं वरीय अजारेंका ने एंजलिक कर्बर को 7-5 6-2 से मात दी। एलिना स्वितोलिना और आर्यना सबालेंका ने भी अपने अपने मुकाबले जीत लिए।

फुटबाल : विश्व कप क्वालीफायर में सर्बिया ने पुर्तगाल को ड्रॉ पर रोका

बेलग्रेड । अंतिम मिनटों में अपने 10 खिलाड़ियों के साथ खेलने के बावजूद सर्बिया ने फीफा विश्व कप 2022 के दूसरे क्वालीफायर में पुर्तगाल को 2-2 से ड्रॉ पर रोक दिया। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, शनिवार को खेले गए इस मुकाबले में पुर्तगाल ने 11वें मिनट में ही डियोगो जोटा के गोल की मदद से 1-0 की बढ़त बना ली। जोटा ने इसके बाद 36वें मिनट में एक और गोल करके 2-0 से आगे कर दिया। हालांकि दूसरे हाफ में सर्बिया ने बेहतरीन वापसी की। सर्बिया ने 46वें मिनट में एलेक्जेंडर म्रिटोविच के गोल के दम पर अपना खाता खोल लिया। इसके बाद उसने 60वें मिनट में फिलिप कोस्टिच के गोल के सहारे 2-2 की बराबरी हासिल कर ली। इंजुरी टाइम में मिलेकोविच को रेड कार्ड दिखाया गया और इसके बावजूद सर्बिया ने मुकाबला ड्रॉ करा लिया।

गार्डनर ने खेली 73 रन की शानदार पारी, ऑस्ट्रेलिया ने न्यूजीलैंड को पहले टी20 मैच में हराया

हैमिलटन ।

एश्लेग गार्डनर की नाबाद 73 रन की शानदार पारी के दम पर ऑस्ट्रेलिया ने न्यूज़ीलैंड को पहले टी-20 मुकाबले में रविववार को आसानी से छह विकेट से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। न्यूज़ीलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में छह विकेट पर 130 रन बनाये जबकि ऑस्ट्रेलिया की तरफ से जेस जॉनसन ने अपने चार ओवर में मात्र 26 रन देकर तीन विकेट झटके। न्यूज़ीलैंड की तरफ से एमी सैटर्थवेट ने 31 गेंदों में पांच चौकों और एक छक्के के सहारे सर्वाधिक 40 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने अपने तीन विकेट चौथे ओवर तक मात्र 14 रन तक गंवा दिए थे लेकिन एश्लेग गार्डनर ने फिर मोर्चा संभालकर खेलते हुए कप्तान मेग लेनिंग के साथ चौथे विकेट के लिए 48 रन और एलिस पैरी के साथ पांचवें विकेट की अविजित साझेदारी में 71 रन जोड़कर टीम को जीत दिला दी।

ऑस्ट्रेलिया ने 18 ओवर में चार विकेट पर 133 रन बनाकर मैच दो ओवर पहले ही समाप्त कर दिया।प्लेयर ऑफ द मैच बनी गार्डनर ने मात्र 48 गेंदों पर नाबाद 73 रन में छह चौके और तीन छक्के लगाए। कप्तान लेनिंग ने 28 गेंदों पर 28 रन में दो चौके और एक छक्का लगाया जबकि पैरी ने 16 गेंदों पर नाबाद 23 रन में तीन चौके लगाए।

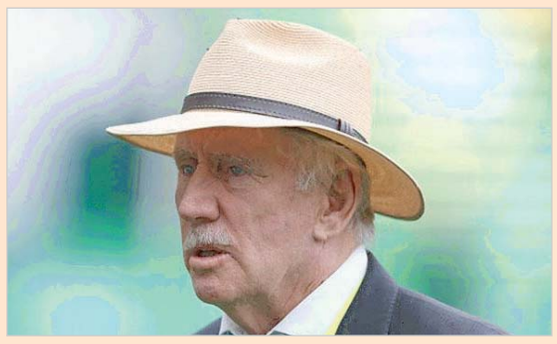

अगले दिनों में विश्व क्रिकेट में अपना दबदबा कायम कर सकता है भारत : चैपल

नई दिल्ली। आस्ट्रेलिया के महान क्रिकेटर इयान चैपल मानते हैं कि प्रतिभाओं की गहराई और पिछले कुछ समय से मिल रही सफलताओं को देखते हुए कहा जा सकता है कि भारत अगले दिनों में विश्व क्रिकेट में अपना दबदबा कायम कर लेगा। भारतीय खिलाड़ी विदेशी भूमि पर भी बेहतरीन प्रदर्शन करेंगे। पूर्व आस्ट्रेलियाई कप्तान चैपल ने बताया कि आस्ट्रेलिया में भारत की हालिया सफलता ने खिलाड़ियों के उस भरोसे को मजबूती दी है कि उनमें किसी भी परिस्थिति में जीत दर्ज करने की काबिलियत है। उन्होंने कहा ऐसे समय में जब टीमों को विदेशी दौरों में मुश्किलों का सामना करना पड़ता है, भारत में इस सिलसिले को बदलने के लिये प्रतिभाओं की गहराई मौजूद है। अब कोई भी प्रतिद्वंद्वी टीम यह नहीं कह सकती जब भी भारत उनकी सरजमीं का दौरा करे तो 'बस लंबे रन-अप वाले तेज गेंदबाज चुन लो और श्रृंखला अपनी। उन्होंने कहा कि अगले दिनों में भारत वैसा ही दबदबा बना सकता है, जैसा बीते समय में वेस्टइंडीज और आस्ट्रेलियाई टीम का हुआ करता था, हालांकि अब ऐसा करना और अधिक मुश्किल हो गया है। उन्होंने उस समय को याद किया जब दोनों टीमों के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को अंतिम एकादश में जगह बनाने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ती थी। उन्होंने कहा कि इतनी अपार प्रतिभा, तो उसी तरह है जैसी वेस्टइंडीज और आस्ट्रेलिया के दबदबे के दौरान हुआ करती थी, जब उनके पास अच्छे खिलाड़ियों की भरमार थी और उसमें से कई तो पहली बार अंतिम एकादश में जगह बनाने के लिए इंतजार करते रहते थे।

कोरोना संक्रमण की चपेट में आए कुश्ती गुरु कृपाशंकर

इंदौर । कोरोना का कहर बॉलीवुड के बाद अब खेलों की दुनिया में भी लगातार बढ़ता जा रहा है। कुछ दिन पहले सुपरस्टार आमिर खान इस महामारी के चपेट में आ गए थे अब खबर है कि कुश्ती गुरु अर्जुन अवॉर्ड्री पहलवान कृपाशंकर बिश्नोई भी संक्रमित पाए। बिश्नोई की कोविड रिपोर्ट पॉजीटिव आई है। सूत्रों के मुताबिक कृपा कोरोना वायरस से संक्रमित हो गए हैं। उन्होंने खुद को क्वारंटाइन किया है। सूत्रों के मुताबिक, उन्होंने पिछले कुछ दिनों से उनके संपर्क में आए लोगो को भी टेस्ट करवाने के लिए कहा है। इसके अलावा सारी सावधानी बरतने और गाइडलाइन को फॉलो करने के लिए भी कहा। ठीक होने के बाद कृपा फिर रेलवे कुश्ती प्रशिक्षण के लिए लग जाएंगे। मशहूर फिल्म 'दंगल' में आमिर खान के कोच बने इंदौर के अर्जुन अवॉर्ड्री पहलवान कृपाशंकर बिश्नोई ने फिल्म में कुश्ती के लिए कोरियोग्राफी, कुश्ती सीन की संरचना और कुश्ती सिखाने का कार्य किया। गौरतलब है कि कृपाशंकर आमिर खान अभिनीत, निर्मित और नितेश तिवारी निर्देशित 'दंगल' फिल्म के लिए आमिर खान और अन्य कलाकारों को भी कुश्ती के गुर सिखा चुके हैं।

सचिन तेंदुलकर, यूसुफ पठान के बाद अब एक और क्रिकेटर कोरोना पॉजिटिव

नई दिल्ली.

क्रिकेट के भगवान कहे जाने वाले सचिन तेंदुलकर और यूसुफ पठान के बाद अब एक और क्रिकेट खिलाड़ी कोरोना वायरस की जकड़ में आ गया है. ये सभी खिलाड़ी छत्तीसगढ़ के रायपुर में हाल ही में पूरी हुई रोड सेफ्टी वर्ल्ड सीरीज का खिताब जीतने वाली इंडिया लीजेंड्स टीम का हिस्सा थे. अब पता चला है कि पूर्व भारतीय बल्लेबाज एस. बद्रीनाथ कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं. बद्रीनाथ ने रविवार को खुद ट्विटर पर इसकी जानकारी दी. कोरोना पॉजिटिव पाए जाने के बाद उन्होंने खुद को घर में आइसोलेट कर लिया है. बद्रीनाथ से पहले सचिन तेंदुलकर और यूसुफ पठान भी कोरोना की चपेट में आ चुके हैं और ये तीनों खिलाड़ी हाल में छत्तीसगढ़ के रायपुर में आयोजित रोड सेफ्टी वर्ल्ड सीरीज का खिताब जीतने वाली इंडिया लीजेंड्स टीम का हिस्सा थे. बद्रीनाथ ने ट्वीट करके कहा कि मैं लगातार जरूरी सावधानी बरत रहा था और लगातार टेस्ट भी करा रहा था. हालांकि मेरा कोविड-19 टेस्ट पॉजीटिव आया है और मुझमें हल्के लक्षण हैं. एस बद्रीनाथ ने कहा कि मैं सभी प्रोटोकॉल का पालन करूंगा और घर पर आइसोलेट रहूंगा, साथ ही मेरे फिजिशियन की सलाह के अनुसार जरूरी कदम उठाऊंगा. अपना ध्यान रखें और सुरक्षित रहें. बद्रीनाथ से पहले भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व ऑलराउंडर यूसुफ पठान और महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर भी कोरोना पॉजिटिव पाए जा चुके हैं. यूसुफ ने अपने ट्विटर हैंडल के माध्यम से शनिवार को इसकी जानकारी दी थी. यूसुफ मैन ऑफ द टूर्नामेंट चुने गए थे जबकि सचिन इंडिया लेजेंड्स टीम के कप्तान थे. यूसुफ ने ट्विटर पर लिखा था कि मैं हल्के लक्षणों के साथ कोरोना पॉजिटिव पाया गया हूं. मैंने अपने आप को घर पर क्वारंटीन कर लिया है और सभी आवश्यक सावधानी और आवश्यक दवाएं ले रहा हूं. मैं उन लोगों से निवेदन करूंगा जो मेरे संपर्क में आए हैं. ऐसे सभी लोग जल्द से जल्द अपनी जांच करवाएं. वहीं सचिन तेंदुलकर ने कहा था कि मैं खुद का परीक्षण कराता रहा हूं और कोविड को दूर रखने के लिए सभी अनुशंसित सावधानियां बरत रहा हूं. उन्होंने कहा कि हालांकि मैं हल्के लक्षणों के बाद आज जांच में कोविड पॉजिटिव निकला हूं. घर में अन्य सभी जांच में कोविड नेगेटिव पाए गए हैं.

उन्होंने कहा कि मैंने घर पर खुद को क्वारंटीन कर लिया है और डॉक्टरों की सलाह के अनुसार सभी आवश्यक प्रोटोकॉल का पालन कर रहा हूं. सचिन तेंदुलकर ने कहा कि मैं उन सभी स्वास्थ्य पेशेवरों को धन्यवाद देना चाहता हूं जो मुझे और देश भर में कई अन्य लोगों को सपोर्ट कर रहे हैं. आप सभी अपना ख्याल रखें.

सुनील गावस्कर ने हार्दिक पांड्या के गेंदबाजी ना करने पर उठाए सवाल

स्पोर्ट्स डेस्क। भारतीय टीम के ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या वनडे सीरीज में गेंदबाजी करते हुए नहीं दिखाई दिए हैं। हालांकि उन्होंने 5 मैचों की टी20 सीरीज के दौरान गेंदबाजी की थी। लेकिन वह वनडे सीरीज के दौरान गेंदबाजी नहीं कर रहें हैं। इसके पीछे की वजह भारतीय कप्तान विराट कोहली ने बताते हुए कहा था कि हम हार्दिक का वर्क लोड मैनजमेंट कर रहें हैं। इस मुद्दे पर भारत के दिग्गज बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। सुनील गावस्कर ने कहा कि टीम के संतुलन को देखना चाहिए अगर खिलाड़ी टीम में फिट नहीं बैठता तो उसे टीम की अंतिम एकादश से बाहर निकाल देना चाहिए। वर्कलोड मैनजमेंट आईपीएल के दौरान भी किया जा सकता है। अगर हार्दिक पांड्या भारतीय टीम के लिए बतौर ऑलराउंडर खेल रहें हैं तो उन्हें 3 से 4 ओवर फेंकने के लिए तैयार रहना चाहिए। गावस्कर ने आगे कहा कि मैं इस बात से पूरी तरह से सहमत हूं कि वह 10 ओवर के कोटे के लिए पूरी तरह से फिट नहीं है लेकिन अगर किसी गेंदबाज को मार पड़ती है तो आप चाहते हैं कि कोई उसकी जगह आए और 3 से 4 ओवर गेंदबाजी करे। वह काम हार्दिक पांड्या कर सकते हैं। भारतीय टीम को उनका इस्तेमाल करना चाहिए। अगर उनके वर्क लोड मैनजमेंट के कारण भारतीय टीम को नुकसान उठाना पड़ गया तो यह सही नहीं होगा। गौर हो कि दूसरे वनडे मैच के दौरान भारतीय स्पिन गेंदबाजों को इंग्लैंड के बल्लेबाजों ने निशाना बनाया और उन पर खूब पर बटोरे। इंग्लैंड के बल्लेबाजों ने भारतीय गेंदबाजों की कमी पर प्रहार किया और दूसरे मैच में तेजी से रन बनाए। जब इंग्लैंड के बल्लेबाज तेजी से रन बना रहे थे तो भारतीय टीम के कप्तान विराट कोहली हार्दिक पांड्या को गेंदबाजी सौंप सकते थे। लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

रणवीर सिंह ने पत्नी दीपिका पादुकोण के साथ शेयर की बेहद रोमांटिक तस्वीर, सोशल मीडिया पर वायरल

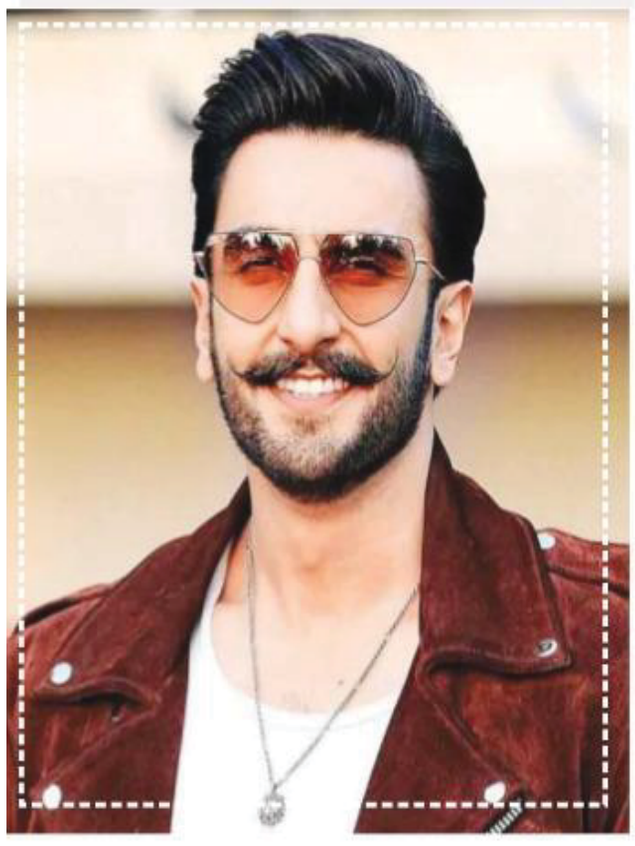

बॉलीवुड एक्टर रणवीर सिंह और उनकी पत्नी दीपिका पादुकोण लंबे समय से एक दूसरे के साथ फिल्म में नजर नहीं आए हैं, लेकिन इससे उनकी पॉपुलैरिटी में कोई कमी देखने को नहीं मिली है. हाल ही में रणवीर सिंह ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर दीपिका के साथ बेहद रोमांटिक तस्वीर शेयर की हैं. यह तस्वीर अब सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रही है.

रणवीर ने अपने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में तीन फोटोज शेयर की है. पहली फोटो में वह दीपिका की आंखों में देख रहे हैं. इस फोटो में दीपिका भी रणवीर को हॉट लुक देती नजर आ रही हैं. वहीं, दूसरी और तीसरी फोटो में रणवीर दीपिका के साथ उनके कुछ करीबी दोस्त हैं. फोटोज देखकर साफ पता चल रहा है कि रणवीर और दीपिका अपकमिंग फिल्म के बारे में चर्चा कर रहे हैं.

दीपिका ने भी दी अपनी प्रतिक्रिया

इस फोटो पर दीपिका ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी है. दीपिका ने लिखा, टू हैंडसम. इसके साथ ही दीपिका ने लवस्ट्रक इमोजी भी पोस्ट किया. दीपिका की रणवीर की यह फोटो अब सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रही है. वहीं, फैंस भी जबरदस्त रिएक्शन देते नजर आ रहे हैं. एक यूजर ने लिखा, इस जोड़ी को किसी की नजर ना लगे. वहीं, एक और यूजर ने लिखा, बेहद रोमांटिक जोड़ी.बता दें कि रणवीर सिंह जल्द ही फिल्म 83 में नजर आने वाले हैं. इस फिल्म में वह इंडियन क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कपिल देव का रोल प्ले करेंगे. दर्शकों को इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार है.

रणवीर सिंह और उनकी पत्नी दीपिका पादुकोण की एक फोटो सोशल मीडिया पर बहुत तेजी से वायरल हो रही है. इस फोटो में दोनों बेहद रोमांटिक लुक देते नजर आ रहे हैं. वहीं, दीपिका ने भी इस फोटो पर अपना रिएक्शन शेयर किया है.

फिल्म 'पठान' के लिए शाहरुख खान ने ली इतनी मोटी फीस, इस मामले में पीछे हुए अक्षय कुमार और सलमान खान

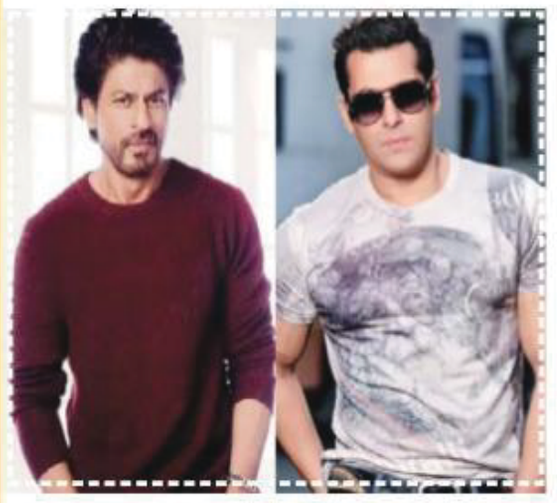

बॉलीवुड के बादशाह यानी शाहरुख खान इन दिनों दो वजहों से काफी चर्चा में हैं. पहला तो अजय देवगन के साथ उनका एक विज्ञापन है. इस विज्ञापन में वह ट्रोल भी हुए. दूसरी वजह से उनकी अपकमिंग फिल्म पठान है. शाहरुख इस फिल्म की शूटिंग कर रहे हैं और इसके कई धांसू एक्शन सीन वीडियो लीक हो चुके हैं. इसके अलावा फिल्म से जुड़ी हर दिन एक नई जानकारी सामने आ रही है.

अब फिल्म पठान और शाहरुख खान को लेकर एक नई जानकारी सामने आई है, जोकि सबको हैरान कर देगी. ये जानकारी फिल्म के लिए शाहरुख खान की फीस को लेकर है. कहा जा रहा है कि शाहरुख खान ने पठा में काम करने के लिए बहुत ज्यादा फीस ली है. इस फीस से वह बॉलीवुड के सबसे ज्यादा फीस लेने वाले एक्टर बन गए हैं.

फीस के मामले में उन्होंने अक्षय कुमार को भी पछाड़ दिया है. हाल में कई ट्विटर यूजर्स ने दावा किया है कि %पठान% में काम करने के लिए शाहरुख खान ने 100 करोड़ रुपए फीस ली है. इतनी फीस बॉलीवुड का कोई एक्टर नहीं लेता है. स्पॉटबॉय की रिपोर्ट के मुताबिक, शाहरुख खान की ये फीस अक्षय कुमार और सलमान खान जैसे बड़े एक्टर्स से भी ज्यादा है.

शाहरुख खान के खतरनाक एक्शन सीन और स्टंट

हालांकि, शाहरुख खान की फीस को लेकर फिल्म के मेकर्स या एक्टर की तरफ से कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है. ट्विटर यूजर्स के इन दावों पर आधिकारिक पुष्टि होने तक विश्वास नहीं किया जा सकता है. इस फिल्म के लिए शाहरुख खान काफी मेहनत कर रहे हैं और इसमें उनके कई खतरनाक स्टंट हैं.

दीपिका पादुकोण और जॉन अब्राहम भी अहम किरदार में

लीक वीडियो में दिखाया गया है कि शाहरुख खान बुर्ज खलीफा के सामने एक खतरनाक एक्शन सीन को शूट कर रहे हैं. फिल्म में शाहरुख खान के अलावा दीपिका पादुकोण और जॉन अब्राहम लीड अहम किरदार में दिखाई देंगे. इसमें सलमान खान के भी कुछ सीन होंगे. इस फिल्म को एक था टाइगर सीरीज से भी जोड़ने की कोशिश की जा रही है.

दिशा परमार ने हाथों पर रचाई ब्वॉयफ्रेंड राहुल वैद्य के नाम की मेहंदी, तस्वीरें वायरल

बिग बॉस फेम राहुल वैद्य और दिशा परमार के प्यार के चर्चे सुर्खियों में हैं. फैंस इस कपल को खूब पसंद कर रहे हैं. बिग बॉस के घर में राहुल और दिशा पहली बार मिले थे. तबसे लेकर आज तक दोनों के बीच नजदीकियां धीरे-धीरे बढ़ती जा रही है. हाल ही में दिशा परमार की कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुई हैं. इन तस्वीरों में दिशा राहुल के नाम की मेहंदी रचाई हुई नजर आ रही हैं. राहुल के नाम की मेहंदी से ये प्रतीत हो रहा है कि दिशा राहुल से कितना प्यार करती हैं. वहीं, राहुल भी दिशा को अपना दिल दे चुके हैं. हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान राहुल ने कहा था कि वे पहली नजर में ही दिशा को दिल दे बैठे थे. बिग बॉस के घर में एंट्री लेते ही उन्होंने दिशा को पहली बार देखा था और तब उन्हें एहसास हुआ था कि वे दिशा के प्यार में हैं. वहीं, दिशा भी शो के बाद कई बार राहुल के साथ स्पॉट की जा चुकी हैं. राहुल और दिशा की जोड़ी को फैंस से भी खूब प्यार मिल रहा है. शो के खत्म होने के बाद राहुल और दिशा एक शादी समारोह में भी नजर आए थे. इस दौरान राहुल ने अपनी गर्लफ्रेंड दिशा के लिए बेहद रोमांटिक गाने गए थे. साथ ही उनके साथ टाइम भी स्पेंड किया था.

एक बेटी के पिता बनना चाहते हैं राहुल

रिपोर्ट्स के मुताबिक, राहुल और दिशा जल्द शादी भी कर सकते हैं. एक इंटरव्यू में राहुल ने कहा, मैं चाहता हूं कि मैं एक आदर्श पति और एक बेटी का पिता बनूं. उन्होंने कहा कि वे चाहते हैं कि उनकी बेटी हो जिनकी वह अच्छी तरह परवरिश कर सकें. उन्होंने कहा कि वह अपनी पत्नी का भी खास खयाल रखना चाहते हैं और उन्हें जिंदगी की सारी खुशी देना चाहते हैं.

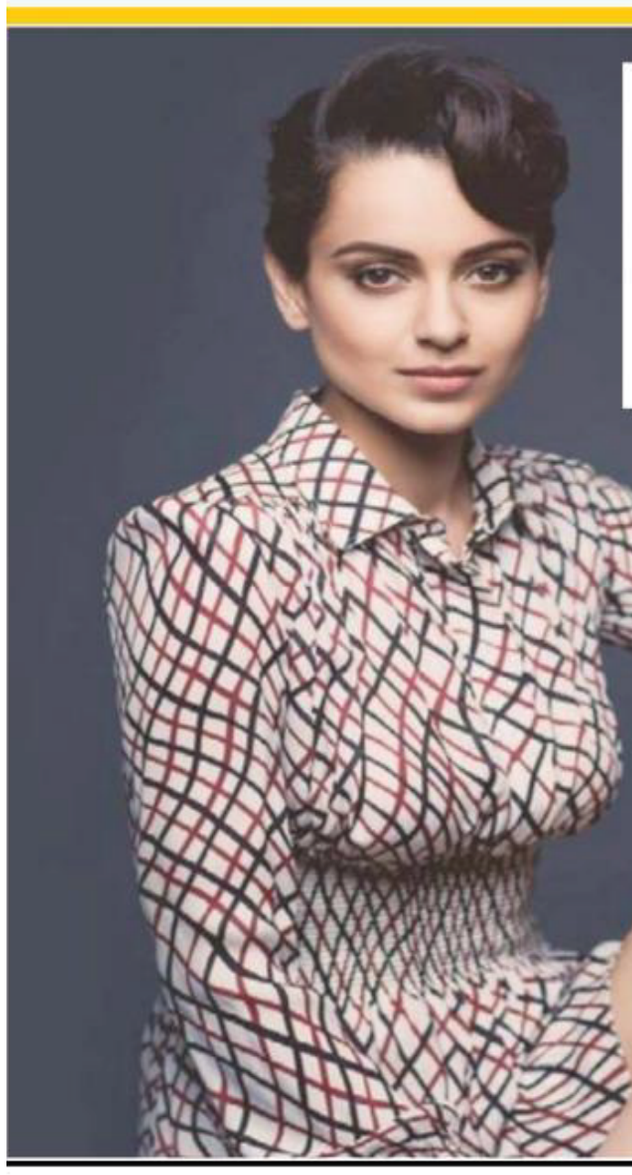

कंगना रनौत

ने कहा- मेरा मकसद लोगों से हल्की-फुल्की बातें करना होता है, लेकिन हमेशा मुझे प्रतिक्रियाएं मिलती हैं

बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनौत का ये कहना है कि उनका मकसद सिर्फ लोगों के साथ हल्की-फुल्की बातचीत करना होता है, लेकिन हमेशा उन्हें लोगों से टिप्पणियां सुनने को मिलती हैं. एक इंटरव्यू के दौरान कंगना कहती हैं कि, 'मुझे लगता है कि मैं जो बहुत सी चीजें करती हूं या कहती हूं. वो बड़ी हल्की-फुल्की बातचीत होती है. कई बार लोग इसे गंभीरता से लेते हैं, क्योंकि वो अपने जीवन में बहुत ही गंभीर होते हैं और इस तरह से चीजें एक घटना से दूसरी में बदल जाती हैं. लेकिन मैं ये भी कहना चाहूंगी कि जिन लोगों की मैं आलोचना कर सकती हूं. उसके बाद मुझे उनसे मिलना और बातचीत करना बिल्कुल सहज लगता है, क्योंकि मेरे इरादे हमेशा बहुत हल्के रहे हैं.'कंगना आगे कहती हैं कि, 'मुझे लगता है कि मुझे हमेशा ही प्रतिक्रियाएं मिली हैं. जो कभी-कभी मुझे हैरान कर देती हैं. जब आपके दिल में कोई एजेंडा नहीं होता है. तो आप हमेशा जीतेंगे. इसके बारे में कोई दो तरीके नहीं हैं.'ये पूछे जाने पर कि क्या उनकी भविष्य की योजना राजनीति में आने की है, इस पर कंगना ने जवाब दिया, 'अगर आज मैं देश, राष्ट्रवाद, किसानों या कानूनों के बारे में बात करती हूं, जो मुझे सीधे प्रभावित करते हैं, तो मुझे बताया जाता है कि मैं राजनेता बनना चाहती हूं. जबकि ऐसा नहीं है. मैं तो बस प्रतिक्रिया देती हूं.'हाल ही में राष्ट्रीय पुरस्कार जीत चुकीं कंगना ने मंगलवार को अपने जन्मदिन के अवसर पर मुंबई और चेन्नई में अपनी आगामी फिल्म थलाइवी का ट्रेलर लॉन्च किया था. इस साल मणिकर्णिका और पंगा के लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का राष्ट्रीय पुरस्कार मिला है. ए.एल. विजय द्वारा निर्देशित थलाइवी 23 अप्रैल को हिंदी, तमिल और तेलुगू में रिलीज होने वाली है.

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

यह रहस्य

भगवान शिव की शक्ति के ओज मंडल तक ले जाता है

भगवान शिव जी की अर्धांगिनी पार्वती जी को ही शैलपुत्री, ब्रह्मचारिणी, चंद्रघंटा, कुष्मांडा, स्कंदमाता, कात्यायिनी, कालरात्रि, महागौरी, सिद्धिदात्री आदि नामों से जाना जाता है। आदि शक्ति मां दुर्गा का ध्यान करने वाले के जीवन में कभी शोक और दुख नहीं आता। मां का केवल एक रूप है, अनेक नहीं इस रहस्य का ज्ञात होने से जातक भगवान शिव की शक्ति के ओज मंडल में शामिल हो जाता है।

संपूर्ण संसार की उत्पत्ति के पीछे आदि शक्ति मां जगत जननी ही मूल तत्व हैं और जगत माता के रूप में उनकी उपासना की जाती है। शक्ति सृजन और नियंत्रण की पारलौकिक शक्ति है। पुराणों के मतानुसार शिव भी शक्ति के अभाव में शव या निष्क्रिय बताएं गए हैं। मनुष्य की विभिन्न प्रकार की शक्तियों को प्राप्त करने की अनंत इच्छा ने शक्ति की उपासना को व्यापक आयाम दिया है। यहां प्रस्तुत है माता के अनेकों रूपों का वर्णन। इन्होंने ने अपने योग्य पुरूषों का निर्माण किया जो ब्रह्मा, विष्णु और महेश कहे जाते हैं।

माता पार्वती, उमा, महेश्वरी, दुर्गा, कालिका, शिवा, महिसासुरमर्दिनी, सती, कात्यायनी, अम्बिका, भवानी, अम्बा, गौरी, कल्याणी, विंध्यवासिनी, चामुन्डी, वाराही, भैरवी, काली, ज्वालामुखी, बगलामुखी, धूम्रेश्वरी, वैष्णोदेवी, जगधात्री, जगदम्बिके, श्री, जगन्मयी, परमेश्वरी, त्रिपुरसुन्दरी, जगात्सारा, जगादान्द्कारिणी, जगाद्विघंदासिनी, भावंता, साध्वी, दुख्दारिर्द्यनाशिनी, चतुर्वर्ग्प्रदा, विधात्री, पुर्णेदुवदना, निलावाणी, पार्वती,सर्वमंगला, सर्वसम्पत्प्रदा, शिवपूज्या, शिवप्रिता, सर्वविध्यामयी, कोमलांगी, विधात्री, नीलमेघवर्णा, विप्रचित्ता, मदोन्मत्ता, मातंगी, देवी खडगहस्ता, भयंकरी,पद्मा, कालरात्रि, शिवरुपिणी, स्वधा, स्वाहा, शारदेन्दुसुमनप्रभा, शरद्ज्योत्सना, मुक्त्केशी, नंदा, गायत्री, सावित्री, लक्ष्मी ,अलंकार, संयुक्ता, व्याघ्रचर्मावृत्ता, मध्या, महापरा, पवित्रा, परमा, महामाया, महोदया इत्यादी देवी भगवती के कई नाम हैं।

किस यज्ञ से कौन सा फल प्राप्त होता है

यज्ञदानतप: कर्म न त्याज्यं कार्यमेव तत।
यज्ञो दानं तपश्चैव पावनानि मनीषिणाम।।

गीता में भगवान श्रीकृष्ण जोर देकर कहते हैं कि यज्ञ, दान और तप का कभी त्याग नहीं किया जाना चाहिए, क्योंकि वे मनीषियों की आत्मशुद्धि के साधन हैं। यज्ञ से ही ब्रह्माण्ड का पालन-पोषण होता है। त्याग ही यज्ञ है। मानवता की निःस्वार्थ सेवा रूपी अग्नि में अपने अहंकार की आहुति देना एक महान यज्ञ है। आध्यात्मिक ज्ञान का प्रसार करना महानतम यज्ञ है। यह सभी यज्ञों का जन्मदाता है। प्रत्येक निःस्वार्थ कर्म यज्ञ है। ऐसे प्रतीक कर्म से आपका हृदय पवित्र होता है और आप आत्म-साक्षात्कार के महान लक्ष्य के निकट पहुंचते जाते हैं। दान अत्यंत आवश्यक है। केवल रुपया-पैसा देना दान नहीं है। किसी के लिए प्रार्थना करना भी दान है। किसी की सेवा करना दान है। दया और प्रेम करना दान है। किसी दूसरे के द्वारा पहुंचाई गई हानि को भूल जाना और क्षमा कर देना दान है। किसी दुखी व्यक्ति के साथ सहानुभूति भरे शब्द बोल देना दान है। हर कोई दान कर सकता है। प्रत्येक व्यक्ति को अपनी क्षमतानुसार किसी-न-किसी रूप में दान करना चाहिए।

शरीर, मन एवं वाणी का संयम तप है। भगवान ने स्पष्ट रूप से कहा है कि शरीर को प्रताड़ित करना वास्तविक तपस्या नहीं है। अपनी इन्द्रियों को शम, दम और तितिक्षा के अभ्यास से नियंत्रित कीजिए। विचार और विवेक के अभ्यास से अपने मन को नियंत्रित कीजिए। मौन, मित-भाषण एवं मधुर-भाषण के अभ्यास से अपनी वाणी को नियंत्रित कीजिए। यही तप है। इन कर्मों का कभी त्याग नहीं करना चाहिए। आध्यात्मिक प्रवृत्ति के व्यक्ति को हमेशा दूसरों के हित के लिए कार्य करते रहना चाहिए, कभी अकर्मण्य नहीं होना चाहिए।

...इसलिए गणेश जी को आदिपूज्य भी कहते हैं

गणेश शिवजी और पार्वती के पुत्र हैं। उनका वाहन मूषक है। गणों के स्वामी होने के कारण उनका एक नाम गणपति भी है। ज्योतिष में इनको केतु का देवता माना जाता है, और जो भी संसार के साधन हैं, उनके स्वामी श्री गणेशजी हैं। हाथी जैसा सिर होने के कारण उन्हें गजानन भी कहते हैं। गणेशजी का नाम हिन्दू शास्त्रो के अनुसार किसी भी कार्य के लिये पहले पूज्य है। इसलिए इन्हें आदिपूज्य भी कहते है। महाभारत लेखन में गणेश जी का अपना वर्चस्व है जो कि उनकी पूजा-अर्चना से बिल्कुल भिन्न है। महाभारत में ऐसा वर्णन आता है कि वेदव्यास जी ने हिमालय की तलहटी की एक पवित्र गुफा में तपस्या में संलग्न तथा ध्यान योग में स्थित होकर महाभारत की घटनाओं का आदि से अन्त तक स्मरण कर मन ही मन में महाभारत की रचना कर ली। परन्तु इसके पश्चात उनके सामने एक गंभीर समस्या आ खड़ी हुई कि इस काव्य के ज्ञान को सामान्य जन साधारण तक कैसे पहुंचाया जाये क्योंकि इसकी जटिलता और लम्बाई के कारण यह बहुत कठिन था कि कोई इसे बिना कोई गलती किए वैसा ही लिख दे जैसा कि वे बोलते जाएं। इसलिए ब्रह्मा जी के कहने पर व्यास गणेश जी के पास पहुंचे और उन्हें महाभारत को लिखने के लिए निवेदन किया। गणेश जी मान तो गए मगर उन्होंने महर्षि वेदव्यास जी से एक प्रण लिया कि वे अपना लेखन कार्य बीच में नहीं छोड़ेंगे। जहां उन्होंने मन्त्रोच्चारण बन्द किया वहीं पर वह अपनी लेखनी को विराम दे देंगे तथा पुन- वह लेखनी हाथ में नहीं लेंगे। गणेश जी चाहते थे कि व्यास जी का श्लोक वाचन धारा प्रवाह होना चाहिए तथा उसमें अवरोध का कोई स्थान नहीं होना चाहिए। यह प्रण कोई सामान्य प्रण नहीं था क्योंकि किसी भी श्लोक की रचना के लिए तो कुछ समय अवश्य लगता है। परन्तु व्यास जी तो अनेकों ग्रंथों के ज्ञाता और महान ज्ञानी थे। व्यासजी जानते थे कि यह शर्त बहुत कठनाईयां उत्पन्न कर सकती है अतः उन्होंने भी अपनी चतुरता से एक शर्त रखी कि कोई भी श्लोक लिखने से पहले गणेश जी को उसका का अर्थ समझना होगा। इस तरह व्यास जी बीच-बीच में कुछ कठिन श्लोकों को रच देते थे, तो जब गणेश उनके अर्थ पर विचार कर रहे होते उतने समय में ही व्यास जी कुछ और नये श्लोक रच देते। इस तरह ऋषि व्यास जी तथा गणेश जी ने मिलकर एक ऐसे ग्रन्थ का र्निमाण किया जिसमें एक लाख श्लोक हैं। सम्पूर्ण महाभारत 3 वर्षों के अन्तराल में लिखी गयी। जो यहां (महाभारत में) है वह आपको संसार में कहीं न कहीं अवश्य मिल जायेगा, जो यहां नहीं है वो संसार में आपको अन्यत्र कहीं नहीं मिलेगा।

ज्योतिष में इनको केतु का देवता माना जाता है, और जो भी संसार के साधन हैं, उनके स्वामी श्री गणेशजी हैं। हाथी जैसा सिर होने के कारण उन्हें गजानन भी कहते हैं। गणेशजी का नाम हिन्दू शास्त्रो के अनुसार किसी भी कार्य के लिये पहले पूज्य है। इसलिए इन्हें आदिपूज्य भी कहते है।

क्या वास्तव में हर चीज में भगवान हैं

विश्व में भगवान के अलावा किसी का भी अस्तित्व नहीं है। यदि आप भगवान शब्द का प्रयोग नहीं करना चाहते हैं तो आप ऊर्जा या बुद्धि कह सकते हैं। सृष्टि का मूल सारे अस्तित्व में विद्यमान है और वह सिर्फ एक है; सिर्फ एक सूर्य, परन्तु आप उसे किसी भी खिड़की से देख सकते हैं। इस दुनिया में कई पैगंबर आए और चले गए। वे सब एक खिड़की के जैसे थे। किसी भी खिड़की से आप उसी सूर्य, आकाश को देख सकते हैं। एक आकाश जो एक दीवार के पीछे है, वह एक खिड़की के पीछे भी है। भगवान हर किसी में है। वह कुत्ते, बिल्ली, पेड़-पत्ती और चींटियों में भी है। वह सृष्टि की हर चीज में है। खिड़की से आप उससे चूक ही नहीं सकते क्योंकि खिड़की बहुत पारदर्शी होती है। सारे शब्द जिनका हम प्रयोग करते हैं और जो वार्तालाप हम करते हैं, उसका उद्देश्य हमारे दिलों में प्रेम और मौन का सृजन करना होता है। यदि शब्द लोगों के मन में अशांति लाते हैं, तो उन शब्दों ने सचमुच अपने आप को पूरा नहीं किया है और वे अपने सही पथ पर नहीं है। जब मन शिकायत कर रहा होता है तो वह इस बात से सजग नहीं होता कि वह शिकायत कर रहा है। उससे सजग होना पहला कदम है, फिर आपके पास क्या है उसके प्रति सजग होना है। आपका दिल आभार से परिपूर्ण हो जाएगा। फिर सारी शिकायत गायब हो जाएगी और आप काफी सरल, स्वाभाविक, प्रेमपूर्ण और मुक्त हो जाएंगे।

मंगलवार को इस जाप से होते हैं कार्य सिद्ध

घर में शांति और अपने कार्यों के सफल संपादन के लिए श्री हनुमान जी की साधना बेहद जरूरी है। इनकी पूजा हमेशा पूर्व दिशा की ओर बैठकर करें। ताम्र पात्र में शुद्ध जल लेकर श्री राम-हनुमान जी का ध्यान करें। पूजा कक्ष में घास या ऊन के आसन पर मंगलवार या शनिवार को इन श्लोकों का कम से कम 51 या 101 बार जाप करें।

कार्य सिद्धि के लिए
दीनानुबंधि मेधानि
प्रेमाकब्धे रामवल्लभ।
यद्येवं मारूते वीर!
मेकभीष्टं देहि सश्रवरं।।
ऊँ हनुमते नमः

गंभीर संकट निवारण के लिए
त्वमस्मिन् कार्यनिर्वाहे प्रमाणं हरि सश्रम् ।
तस्य चिन्तयतो यत्नों दुःखक्षयकरो भवेत् ।।

इनके अलावा हनुमत सहस्त्रनाम के 108 या 1008 बार जाप करने से गंभीर बीमारियां नष्ट होती हैं और घर में खुशहाली तथा सम्पन्नता आती है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

पाकिस्तान पीएम इमरान खान ने होली पर हिंदुओं को दी बधाई

इस्लामाबाद।पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने रविवार को हिंदू समुदाय को होली की बधाई दी। प्रधानमंत्री ने ट्वीट किया, ''हमारे हिंदू समुदाय को रंगों के त्योहार होली की बहुत-बहुत शुभकामनाएं।'' नेशनल असेंबली के अध्यक्ष असद कैसर समेत कई अन्य नेताओं ने भी इस मौके पर हिंदू सांसदों और समुदाय को बधाई दी। कैसर ने पाकिस्तान के विकास में हिंदू समुदाय की भूमिका की तारीफ करते हुए कहा, ''रंगों का यह त्योहार खुशियां फैलाने का अवसर देता है।'' उन्होंने कहा कि सभी अल्पसंख्यक समुदायों को पाकिस्तान में अपने धार्मिक त्योहार खुलकर मनाने का अधिकार है। पाकिस्तान में हिंदू सबसे बड़ा अल्पसंख्यक समुदाय है। आधिकारिक अनुमान के मुताबिक पाकिस्तान में 75 लाख हिंदू रहते हैं।

कृषि कानून के खिलाफ प्रदर्शनकारियों ने कनाडा में होली के रंग में डाला भंग

नई दिल्ली। भारत में पास हुए कृषि कानूनों का देश में जमकर विरोध हो रहा है। बीते कई महीनों से दिल्ली के बॉर्डरों पर बैठे किसान कानूनों के निरस्त होने की मांग कर रहे हैं। ये प्रदर्शन सिर्फ भारत तक ही सीमित नहीं है। शनिवार को कमाडा के एक शहर में कुछ लोगों के समूह ने ऐसे ही एक विरोध प्रदर्शन के चलते लोगों के होली सेलिब्रेशन में भंग डाल दिया। कुछ लोग तिरंगा यात्रा निकालकर होली मनाने एक पार्क में इकट्ठा हुए थे, नहीं कुछ प्रदर्शनकारी सामने आ गए और नारे लगाने लगे। कनाडा के एडमॉन्टॉन शहर में शनिवार को होली सेलिब्रेशन के दौरान तब हडकंप मच गया, जब भारत में पास किसान कानूनों के विरोध में कई लोग प्रदर्शन करने लगे। लगभग 400 लोग शहर के हैरिटेज वाली पार्क में होली मनाने के लिए जमा हुए थे। इससे पहले न लोगों ने शांति से तिरंगा यात्रा पूरी की थी। तभी 100 लोगों का एक समूह सामने आया और भारत सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ नारे लगाने लगे। प्रदर्शनकारियों ने रास्ते को ब्लॉक कर दिया जिसके कारण इवेंट लगभग 3 घंटे लेट हो गया। आयोजन के आयोजक ने कहा कि कुछ प्रदर्शनाकारियों के हाथ में खालिस्तानी झंडा था। वहीं श्रीमणी अकाली दल अमृसतर ने एक मैसेज साझा करते हुए कहा कि यह रैली किसानों के प्रोटेस्ट का समरिथन करने के लिए थी, जो भारत में हो रहा है। तिरंगा यात्रा के आयोजक ने कहा कि उनके इवेंट का कोई पॉलिटिकल एजेंडा नहीं था। यह बस अपने समुदाय में एकता को दिखाने के लिए था। पूरे साल कोरोना वायरस के कारण हम अपने त्योहार नहीं मना पाए थे। उन्होंने साथ ही यह भी बताया अपनी रैली के लिए उन्होंने पुलिस से हफ्तों पहले परमिशन लेली थी।

घर होकर भी क्यों 1 साल से टेंट में रहता है यह लड़का, दुनिया छोड़ चले दोस्त से क्या किया था वादा?

लंदन। इंग्लैंड के ब्रोन्टोन का रहने वाला एक 11 वर्षीय लड़का घर होते हुए भी बीते करीब एक साल से बागीचे में टेंट लगाकर रह रहा है। दरअसल, ऐसा ये लड़का चैरिटी के लिए राशि जुटाने के लिए कर रहा है। इस साहसिक कारनामे से अब तक उसने 2,80,000 पाउंड से ज्यादा की रकम जुटाई है। गौरतलब है कि मैक्स वोसी ने अपने पड़ोस में रहने वाले अपने मित्र की मौत से पहले उससे ऐसा करने का वादा किया था। जिससे कि नॉर्थ डेवोन होस्पिस नामक उस संस्था की आर्थिक मदद हो सके जो उसके मित्र का ख्याल रखती थी। इस मासूम के जज्बे और हौसले को देख हर कोई इसकी तारीफ कर रहा है। यहां तक कि एडवेंचर प्रोग्राम के होस्ट बियर ग्रिल्स और जॉनी बिल्किंसन ने भी इसे अपना समर्थन दिया है।

कड़ाके की ठंड में भी नहीं डगमगाए कदम

डेली मेल की खबर के मुताबिक, इस साल ब्रिटेन में एक दशक की सबसे कड़ाके की ठंड और बर्फवारी देखने को मिली, लेकिन इस भीषड़ ठंड में भी मैक्स का जज्बा कायम रहा और उसने इसी टेंट में यह हाड़ कंपाने वाला मौसम बिताया। यहीं नहीं इस लड़के ने अपने जन्मदिन के साथ ही क्रिसमस और न्यू ईयर भी खुले में ही सेलिब्रेट किया।

एडवेंचर का शौकीन का मित्र रिक

मैक्स वोयसी ने पिछले साल 28 मार्च को नॉर्थ डेवोन होस्पिस के लिए पैसा जुटाने के लिए अपने आउटडोर एडवेंचर की शुरुआत की। यही संस्था उसके दिवंगत मित्र और पड़ोसी रिक एबॉट की देखभाल करता था। बता दें रिक ने अपनी मौत से पहले मैक्स को यह टेंट उपहार के तौर पर दिया था और उससे कुछ रोमांच भरा और साहसिक काम करने का वादा लिया था। अब मैक्स दुनियाभर के बच्चों के लिए एक मिसाल बन गया है और दुनियाभर के बच्चों को प्रेरित कर रहा है।

म्यांमार में तख्तापलट के बाद सबसे अधिक रक्तपात वाला दिन, 90 प्रदर्शनकारियों की मौत

यांगून। (एजेंसी)।

म्यांमार की सेना ने देश की राजधानी नेपीता में शनिवार को परेड के साथ वार्षिक सशस्त्र बल दिवस का अवकाश मनाया, वहीं पिछले महीने हुए सैन्य तख्तापलट के विरोध में हो रहे प्रदर्शनों को दबाने के तहत देश के अन्य इलाकों में सैनिकों एवं पुलिसकर्मियों की कार्रवाई में कई लोगों की मौत हो गई। ऑनलाइन समाचार वेबसाइट 'म्यांमा नाउ' ने बताया कि प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कार्रवाई में 114 लोग मारे गए। यांगून में मौजूदा समय के मृत्यु के आंकड़े एकत्र कर रहे एक स्वतंत्र शोधकर्ता ने मरने वाले लोगों की संख्या 107 बताई है। ये मृतक करीब दो दर्जन शहरों और कस्बों से थे। इससे पहले, सर्वाधिक प्रदर्शनकारी 14 मार्च को मारे गए गए थे। उस दिन सेना की कार्रवाई में 74 से 90 लोगों की मौत हुई थी। एसोसिएटेड प्रेस स्वतंत्र रूप से मौत के इन आंकड़ों की पुष्टि नहीं करता है।

'एसोसिएशन ऑफ पॉलिटिकल प्रिजनर्स' ने शुक्रवार तक तख्तापलट के बाद हुए दमन में 328 लोगों की मौत की पुष्टि की थी। इन हत्याओं को लेकर म्यांमा सेना की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर व्यापक निंदा हो रही है। 12 देशों के रक्षा प्रमुखों ने एक संयुक्त बयान में कहा, ''एक पेशेवर सेना आचरण के अंतरराष्ट्रीय मानकों का पालन करती है और लोगों को नुकसान पहुंचाने के बजाए उनकी रक्षा करती है। हम म्यांमा सशस्त्र बल से अपील करते हैं कि वह हिंसा बंद करे और म्यांमा के लोगों में अपना सम्मान एवं विश्वसनीयता फिर से कायम करने के लिए काम करें, जो कि उसने अपने इन कृत्यों से गंवा दी है।'' म्यांमा के लिये यूरोपीय संघ के प्रतिनिधिमंडल ने ट्वीटर पर कहा, ÷76वां म्यांमा सशस्त्र बल दिवस आतंकवाद और अपमान के दिन के तौर पर याद किया जाएगा। बच्चों समेत निहत्थे नागरिकों की हत्या ऐसा कृत्य है, जिसे किसी भी तरह उचित नहीं ठहराया जा सकता।÷

म्यांमार में अमेरिका के राजदूत थॉमस वाजदा ने एक बयान में कहा कि सुरक्षा बल निहत्थे नागरिकों की हत्या कर रहे हैं, जो कि पेशेवर सेना या पुलिस बल कभी नहीं करता। आन सान सू ची की निर्वाचित सरकार को एक फरवरी को तख्तापलट के जरिये हटाने के विरोध में होने वाले प्रदर्शनों से निपटने के लिये सेना बल का इस्तेमाल कर रही है और ऐसे में म्यांमा में मरने वाले प्रदर्शनकारियों की संख्या भी लगातार बढ़ रही है। करीब पांच दशक के सैन्य शासन के बाद लोकतांत्रिक सरकार की दिशा में हुई प्रगति पर इस सैन्य तख्तापलट ने विपरीत असर डाला है। जुंटा प्रमुख वरिष्ठ जनरल मिन आंग ह्लाइंग ने तख्तापलट के खिलाफ राष्ट्व्यापी प्रदर्शनों का प्रत्यक्ष जिक्र नहीं किया, लेकिन उन्होंने देश की राजधानी नेपीता के परेड मैदान में हजारों जवानों के समक्ष दिए भाषण में ''राज्य की शांति एवं सामाजिक सुरक्षा के लिए हानिकारक हो सकने वाले आतंकवाद'' का जिक्र किया और इसे अस्वीकार्य बताया। इस साल के कार्यक्रम को हिंसा को उकसाने के तौर पर देखा जा रहा है।

प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी है कि वे तख्तापलट का सार्वजनिक विरोध दोगुना करेंगे और बड़े प्रदर्शनों का आयोजन करेंगे। प्रदर्शनकारियों ने अवकाश को उसके मूल नाम 'प्रतिरोध दिवस' के तौर पर मनाया, जो द्वितीय विश्वयुद्ध में जापानी कब्जे के विरोध में बगावत की शुरुआत थी। सरकारी एमआरटीवी ने शुक्रवार रात को एक घोषणा दिखाई थी और विरोध प्रदर्शनों में आगे रहने वाले युवाओं से अनुरोध किया था कि वे प्रदर्शन के दौरान मारे गए लोगों से सबक सीखें कि उन्हें सिर में या पीठ पर गोली लगने का कितना खतरा है। इन प्रदर्शनों के दौरान सुरक्षा बलों का सबसे ज्यादा शिकार प्रदर्शन में आगे रहने वाले युवा बने हैं। इस चेतावनी को व्यापक रूप से धमकी के तौर पर लिया जा रहा है, क्योंकि मरने वालों में अधिकतर प्रदर्शनकारियों के सिर में गोली लगी थी जो इस बात का संकेत है कि उन्हें निशाना बनाया गया था। इस घोषणा में यह संकेत दिया गया कि कुछ युवा इन प्रदर्शनों को खेल समझकर हिस्सा ले रहे हैं और उनके माता-पिता और दोस्तों से अनुरोध किया कि वे उनसे इन प्रदर्शनों में शामिल न होने के लिये बात करें।

बांग्लादेश में मंदिरों पर हमले, पीएम मोदी के दौरे के खिलाफ कट्टरपंथियों का उपद्रव, ट्रेन को भी बनाया निशाना

ढाका (एजेंसी)।

भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जाने के एक दिन बाद बांग्लादेश में हिंसा भड़क उठी। कट्टरपंथियों ने हिंदू मंदिरों सहित पूर्वी बांग्लादेश में एक ट्रेन पर हमला कर दिया। हिंसा की विभिन्न घटनाओं में लगभग दो दर्जन लोग घायल हुए हैं। दरअसल, पीएम मोदी बांग्लादेश की 50वीं वर्षगांठ पर आयोजित समारोह में हिस्सा लेने शुक्रवार को ढाका पहुंचे थे। वह सद्भावना के तौर पर अपने साथ 12 लाख कोरोना वैक्सीन भी ले गए थे, लेकिन कट्टरपंथी इस्लामिक संगठन उनकी यात्रा का विरोध कर रहे थे।

विरोध-प्रदर्शनों पर पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई में अब तक 10 कट्टरपंथियों की मौत हो चुकी है। पुलिसिया कार्रवाई के विरोध में रविवार को हिफाजत-ए-इस्लाम नामक संगठन से जुड़े कट्टरपंथियों ने पूर्वी जिले ब्राह्माणबरिया में एक ट्रेन पर हमला कर दिया। इसमें दस लोग घायल हुए हैं। एक पुलिस अधिकारी ने कहा, %हमलावरों ने ना केवल ट्रेन पर हमला किया बल्कि उसके इंजन रूम सहित सभी कोच को क्षतिग्रस्त कर दिया।%

ब्राह्माणबरिया में ही रहने वाले एक पत्रकार जावेद रहीम ने कहा कि जिला जल रहा है। विभिन्न सरकारी आफिसों को आग के हवाले करने के साथ ही उपद्रवियों ने प्रेस क्लब तक को नहीं बख्शा है। कई हिंदू मंदिरों पर भी हमला किया गया है। कट्टरपंथियों ने देश के पश्चिमी जिले राजशाही में भी दो बसों को आग के हवाले कर दिया।

ढाका के नजदीक नारायणगंज में प्रदर्शनकारियों ने लकड़ी और रेत के जरिये रास्ता रोकने की कोशिश की तो जवाब में पुलिस ने रबर की गोली और आसूं गैस के गोले दागे। जिसमें एक दर्जन लोग जख्मी हुए हैं। हिफाजत-ए-इस्लाम के नेता अजीजुल हक शनिवार को चटगांव में आयोजित एक रैली में कहा कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे लोगों पर पुलिस ने गोलियां चलाई है। हम अपने भाइयों का खून व्यर्थ नहीं जाने देंगे।

स्वेज नहर में पांचवें दिन भी फंसा हुआ है विशालकाय जहाज, बुलायी गयीं विशेष नौकाएं

स्वेज (मिस्र)। (एजेंसी)।

मिस्र की स्वेज नहर में पांच दिनों से फंसे विशालकाय जहाज को हटाने के काम में दो विशेष नौकाएं (जहाजों को खींचने में इस्तेमाल आने वाली शक्तिशाली नौकाएं) लगायी गयीं जबकि मालवाहक कपंनियों ने अपनी नौकाओं को दूसरे मार्ग से भेजा। एशिया और यूरोप के बीच माल लेकर जाने वाला, पनामा के ध्वज वाला एवर गिवेन नामक विशाल जहाज मंगलवार को इस नहर में फंस गया था। तब से अधिकारी जहाज को निकालने तथा जलमार्ग को जाम से मुक्त करने की फिर से कोशिश में जुटे हैं, लेकिन कामयाबी हाथ नहीं लगी। इस नहर से रोजाना नौ अरब डॉलर का कारोबार होता रहा है।जहाज के फंसने से वैश्विक परिवहन तथा व्यापार पर बहुत बुरा असर पड़ा है जो पहले से ही कोरोना महामारी से प्रभावित है। मैरीन ट्रैफिक डॉट कॉम के सेटेलाईट डाटा के अनुसार डच ध्वज वाली एल्प गार्ड और इतालवी ध्वज वाली कार्लो मैग्नो पहले से ही इस विशालकाय जहाज को हटाने में जुटी नौकाओं की मदद के लिए बुलायी गयीं जो रविवार को वहां पहुंचीं। एवर गिवेन की प्रबंधक कंपनी बर्नहार्ड शूल्ट शिपमैनेजमेंट ने बताया कि ये सारी शक्तिशाली नौकाएं 400 मीटर लंबे एवर गिवेन को हटायेंगी, उधर इस जहाज के नीचे से गाद निकाला जा रहा है। नहर प्राधिकरण के एक शीर्ष पायलट ने बताया कि कर्मियों ने रविवार को ऊंची लहर के दौरान इस जहाज को हटाने की योजना बनायी है। उन्होंने कहा, '' रविवार अहम है। यही अगला कदम तय करेगा जिसमें जहाज से आंशिक रूप से सामान उतारने की भी संभावना है।'' इस बीच, स्वेज नहर प्राधिकरण के प्रमुख जनरल ओसामा राबेई ने शनिवार को एक संवाददाता सम्मेलन में कहा था कि जांच चल रही है लेकिन उन्होंने मानवीय या तकनीकी खामी की आशंका से इनकार नहीं किया। हालांकि बर्नहार्ड शिपमैनेजमेंट ने कहा कि प्रारंभिक जांच में किसी यांत्रिक गड़बड़ी या ईंजन का विफल होना जहाज की फंसने की वजह के रूप में सामने नहीं आया है। राबेई ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि नहर के तल पर जमे कीचड़ को साफ करने से जहाज को बिना उसका माल हटाए निकाला जा सकेगा, लेकिन उन्होंने साथ ही कहा कि ''हम मुश्किल स्थिति में है, यह बुरी घटना है''। यह पूछे जाने पर कि कब तक जहाज को निकाला जा सकेगा, उन्होंने कहा, ''मैं बता नहीं सकता क्योंकि मुझे नहीं पता।

इंडोनेशिया में गिरजाघर के बाहर आत्मघाती हमलावर ने खुद को उड़ाया, 9 लोग घायल

मकासर। (एजेंसी)।

इंडोनेशिया के सुलावेसी द्वीप पर रविवार की प्रार्थना के दौरान एक रोमन कैथोलिक गिरजाघर के बाहर एक आत्मघाती हमलावर ने खुद को विस्फोट से उड़ा लिया। इस हमले में कम से कम नौ लोग घायल हो गए। हमले के दौरान गिरजाघर में बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे। पुलिस ने यह जानकारी दी। संबंधित एक वीडियो में दक्षिण सुलावेसी प्रांत के मकास्सर शहर में 'सैक्रेड हार्ट ऑफ जीसस कैथेड्रल' के प्रवेश द्वार पर जली हुई मोटरसाइकिल के पास मानव शरीर के बिखरे हुए अंग देखे गए। यह हमला ऐसे समय हुआ है जब दिसंबर में जेमाह इस्लामिया के नेता आरिस सुमरसोनो की गिरफ्तारी के बाद से ही इंडोनेशिया में अत्यधिक सतर्कता बरतने की चेतावनी है। कैथोलिक पादरी विलहेल्मस तुलक ने पत्रकारों को बताया कि प्रार्थना के दौरान धमाके की तेज आवाज सुनी गई।

पूर्वाह्न साढ़े दस बजे जब बम विस्फोट हुआ, तब वह ईस्टर से पहले के पवित्र सप्ताह की शुरुआत के मौके पर प्रार्थना सभा का नेतृत्व कर रहे थे। उन्होंने बताया कि जब विस्फोट हुआ तो गिरजाघर आने वालों का पहला समूह बाहर जा रहा था जबकि अन्य समूह अंदर आ रहा था। तुलक ने बताया कि गिरजाघर के सुरक्षाकर्मियों को संदेह है कि मोटरसाइकिल पर आए दो लोग गिरजाघर में प्रवेश करना चाहते थे। उनमें से एक ने खुद को विस्फोट से उड़ा लिया। घायलों में कई सुरक्षाकर्मी और गिरजाघर आने वाले लोग शामिल हैं। राष्ट्रीय पुलिस प्रवक्ता आर्गो युवोनो ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि पुलिस दोनों हमलावरों की पहचान करने की कोशिश कर रही है जिन्होंने शक्तिशाली विस्फोटकों का इस्तेमाल किया। उन्होंने बताया कि पुलिस इस बात की तफ्तीश कर रही है कि क्या उनका संबंध प्रतिबंध जेमाह इस्लामिया के स्थानीय समूह से था।

इंडोनेशिया के आतंकवाद रोधी दस्ते ने कई प्रांतों में करीब 64 संदिग्धों को हिरासत में लिया था। पुलिस तथा धार्मिक स्थलों पर हमलों की आशंका की खुफिया सूचना मिलने के बाद ये गिरफ्तारियां हुई थीं। दुनिया का सबसे अधिक मुस्लिम आबादी वाला देश इंडोनेशिया 2002 में बाली द्वीप पर हुए विस्फोटों में 202 लोगों के मारे जाने के बाद से चरमपंथियों से संघर्ष कर रहा है। इस हमले में मारे गए ज्यादातर लोग विदेशी पर्यटक थे। अदालत ने 2008 में जेमाह इस्लामिया पर प्रतिबंध लगाया था और उसके बाद की गई कार्रवाई में यह समूह कमजोर हो गया था। दूसरे देशों में इस्लामिक स्टेट के हमलों के बाद हाल के वर्षों में एक नया खतरा पैदा हो गया है।

पाकिस्तान में हिंदुओं को नहीं मिल रही मंदिर में पूजा करने की अनुमति, करनी पड़ी सुरक्षाकर्मियों के खिलाफ शिकायत

पेशावर। पाकिस्तान में हिंदुओं का बुरा हाल है। वहां हिंदुओं को मंदिरों में पूजा करने की अनुमति नहीं मिलती है। उत्तर पश्चिमी पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में हिंदू समुदाय के दो लोगों ने एक प्राचीन शिव मंदिर के सुरक्षा कर्मचारियों के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। अपनी शिकायत में हिंदुओं ने आरोप लगाया है कि मंदिर के सुरक्षाकर्मी उन्हें दर्शन-पूजा नहीं करने दे रहे हैं। प्रांत के मनशेरा जिले के गांधियन क्षेत्र में स्थित मंदिर के सुरक्षाकर्मियों पर श्याम लाल और सज्जन लाल की ओर से शनिवार को शिकायत दर्ज कराई गई। शिकायत में कहा गया है कि मंदिर में दर्शन-पूजन करने से रोकना कानून के खिलाफ है। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी के सदस्य और सीनेटर गुरदीप सिंह, विधायिका के सदस्य रवि कुमार और बफा पुलिस थाने के प्रभारी को शिकायतकर्ता बनाया गया है। शिकायतकर्ताओं ने हजारा डिवीजन के पुलिस उप महानिरीक्षक से मामले को सुलझाने और मंदिर में दर्शन-पूजन करने की अनुमति देने की मांग की है। आधिकारिक अनुमान के मुताबिक, पाकिस्तान में 75 लाख हिंदू हैं। समुदाय के मुताबिक, देश में 90 लाख हिंदू हैं। हिंदुओं की सबसे बड़ी आबादी सिंध प्रांत में निवास करती है।

अच्छे मित्र प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को ऑस्ट्रेलियाई पीएम स्कॉट मॉरिसन ने होली की बधाई दी

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन ने रविवार को अपने ''अच्छे मित्र'' प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को रंगों के त्योहार होली की बधाई दी। मॉरिसन ने ट्वीट किया, '' अपने हिंदू ऑस्ट्रेलियाई समुदाय, अच्छे मित्र नरेन्द्र मोदी एवं इस त्योहार को मना रहे सभी लोगों को खुशहाल एवं रंगीन होली की शुभकामनाएं।'' उन्होंने हिंदी में लिखा, ''होली की शुभकामनाएं।'' मॉरिसन ने ट्विटर पर एक वीडियो संदेश पोस्ट किया और उल्लेख किया कि पिछले साल इस त्योहार पर कोरोना वायरस महामारी का साया रहा। ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री ने कहा कि इस साल भी महामारी का इस पर्व पर असर होगा, लेकिन लोग अब भी ''अधिक विश्वास के साथ भविष्य को लेकर आशान्वित हो सकते हैं।'' उन्होंने कहा कि भारत टीके बनाने का ''बड़ा काम'' कर रहा है और ये टीके दुनिया के बड़े हिस्से को मदद पहुंचा रहे हैं। मॉरिसन ने भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के चतुष्कोणीय संगठन में भारत की भूमिका का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, '' हम साथ मिलकर आगे का रास्ता तैयार करते रहेंगे।'' मॉरिसन ने कहा,''एकता की भावना से मैं आप सभी को होली की बधाई देता हूं।

अलेक्जेंडर ने पाक की खोली पोल- आईएसआई के इशारे पर चलता है आतंकी संगठन तालिबान, छद्म युद्ध पर पाक को काली सूची में डालें

ओटावा। (एजेंसी)।

अफगानिस्तान में कनाडा के राजदूत रहे क्रिस अलेक्जेंडर ने कहा है कि अफगानिस्तान में छद्म युद्ध लड़ने वाले पाकिस्तान पर कड़े प्रतिबंध लगाने चाहिए। उसे एफएटीएफ की काली सूची में भी डाला जाना चाहिए। ज्ञात हो कि कुछ दिन पहले क्रिस ने पाकिस्तान की काली करतूतों का पूरा चिट्ठा खोला था। अफगानिस्तान में तालिबान की हिंसा के पीछे पाक का ही हाथ बताया था। उनका कहना था कि पाकिस्तान ही अफगानिस्तान में छद्म युद्ध लड़ रहा है। उसके यहां ही हर योजना तैयार की जाती है। सभी आतंकवादियों को पाक की खुफिया एजेंसी आइएसआइ संचालित कर रही है। पिछले साल दिसंबर में कई वीडियो बाहर आई थीं, जिनमें तालिबान के सीनियर नेता पाकिस्तान में बैठकर अफगानिस्तान के संबंध में रणनीति बना रहे थे। इस बैठक में तालिबानी लड़ाके भी मौजूद थे। उन्होंने अब कहा है कि पाकिस्तान पर कड़े प्रतिबंध लगाए जाएं। साथ ही उसको फाइनेंसियल एक्शन टास्क फोर्स (एफएटीएफ) द्वारा काली सूची में डाला जाए।

पूर्व में भी पाक पर गुस्सा निकाल चुके हैं अलेक्जेंडर

इसके पूर्व भी अफगानिस्तान में शांति बहाली की बहुपक्षीय कोशिशों के बीच कनाडा के अफगानिस्तान में राजदूत रहे क्रिस अलेक्जेंडर ने कहा था कि पाक जब तक छद्म युद्ध नहीं बंद करता, तब तक यहां शांति स्थापित नहीं हो सकती है। पर्दे के पीछे से पाक खुफिया एजेंसी आइएसआइ तालिबान को ताकत दे रही है। कनाडा के राजनयिक ने टोलो न्यूज पर अपना साक्षात्कार देते हुए पाक की काली करतूतों का कच्चा चिट्ठा खोला था। क्रिस ने कहा था कि पाकिस्तान की सेना विशेषतौर पर उसकी खुफिया एजेंसी आइएसआइ तालिबान को युद्ध के लिए हथियार और उपकरण उपलब्ध कराती है। एक तरह से पाकिस्तान की सहायता से ही तालिबान अफगान सरकार के खिलाफ भाड़े पर युद्ध कर रहा है, जब तक इस असलियत से पर्दा हटाकर पाकिस्तान के छद्म युद्ध को बंद नहीं कराया जाता, अफगानिस्तान में शांति स्थापित करने के प्रयास व्यर्थ साबित होंगे।

पाक यहां आतंक की फसल बोने का काम कर रहा

तालिबान पाकिस्तान की सेना और ख़ुफिया एजेंसी की ही जुबान बोलता है। कनाडा के पूर्व राजनयिक ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय मिलकर पाकिस्तान की अवैध करतूतों और आतंक के काले कारनामों को बंद करा देती है, तो हालात तेजी से बदल जाएंगे। उन्होंने अफगानिस्तान के खिलाफ पाक के गोपनीय एजेंडे की वजह भी बताई। उनका कहना है कि अफगानिस्तान ने 1947 में जब संयुक्त राष्ट्र में पाक की सदस्यता का विरोध किया था, तब से ही पाक यहां आतंक की फसल बोने का काम कर रहा है। इसी फसल में पैदा हुए आतंकियों को वह निरंतर अफगानिस्तान और कश्मीर दोनों के लिए इस्तेमाल कर रहा है।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

सहायक संचालक पर कलेक्टर ने लगाया जुर्माना, फाइलों को थूक लगाकर पलटाने पर कार्यवाही

नरसिंहपुर। मध्य प्रदेश के नरसिंहपुर जिले में एक ऐसा वाक्या सामने आया जब कलेक्टर ने सहायक संचालक पर जुर्माना लगा दिया। दरआसल जिला कार्यालय के सभाकक्ष में 27 मार्च को प्रातः 11 बजे से सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा बैठक आयोजित की गई थी। इस बैठक के उपरांत सहायक संचालक मत्स्य विभाग एस.के. त्यागी द्वारा फाईलों में कलेक्टर के हस्ताक्षर कराते समय फाइलों के पृष्ठों को हाथ से थूक लगाकर पलटाया जा रहा था। कलेक्टर वेद प्रकाश को सहायक संचालक का यह कृत्य आपत्तिजनक और मर्यादा के अनुकूल न होने के साथ ही कोरोना काल में इस तरह का कृत्य अत्यधिक आपत्तिजनक भी है। इस कृत्य के लिए कलेक्टर वेद प्रकाश ने सहायक संचालक एस.के. त्यागी पर 100 रूपये का जुर्माना लगा दिया। कोरोना काल में जब लोग संक्रमण के खतरे को लेकर सजग है और हाथों को पल-पल सैनिटाइज कर रहे है उस दौरान सरकारी कार्यालय में इस तरह का कृत्य संक्रमण को बढ़ाने वाला हो सकता है। जिसको लेकर कलेक्टर ने आपत्ति लेते हुए सहायक संचालक के खिलाफ कार्यवाही की है।

भारत-अमेरिका ने पूर्वी हिंद महासगार में दो दिवसीय नौसेना अभ्यास शुरू किया

नयी दिल्ली। भारत और अमेरिका ने पूर्वी हिंद महासागर क्षेत्र में रविवार को दो दिवसीय नौसेना अभ्यास शुरू किया, जो दोनों देशों के बीच बढ़ती रक्षा एवं सैन्य साझेदारी को प्रदर्शित करता है। अधिकारियों ने बताया कि 'पासेक्स' अभ्यास में भारतीय नौसेना ने अपने युद्ध पोत शिवालिक और लंबी दूरी तक समुद्री गश्त करने वाले विमान पी8आई को तैनात किया है। उन्होंने बताया कि अभ्यास में अमेरिकी नौसेना का प्रतिनिधित्व यूएसएस थियोडोर रूजवेल्ट 'कैरियर स्ट्राइक ग्रुप' कर रहा है। कैरियर स्ट्राइक ग्रुप, नैसेना का एक बड़ा बेड़ा होता है, जिसमें एक विमानवाहक पोत के अलावा कई विध्वंसक पोत एवं नौकाएं तथा अन्य जहाज शामिल होते हैं। नौसेना के प्रवक्ता ने बताया कि अभ्यास में भारतीय वायुसेना के लड़ाकू विमानों को भी शामिल किया गया है। अधिकारियों ने बताया कि अभ्यास रविवार को शुरू हुआ और यह सोमवार को संपन्न हो जाएगा। अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन की भारत यात्रा के करीब हफ्ते भर बाद यह अभ्यास हो रहा है।

फरार हुआ कुख्यात अपराधी कुलदीप उर्फ फज्जा पुलिस एनकाउंटर में ढेर

नयी दिल्ली।हिरासत से भागा एक वांछित अपराधी रविवार को यहां रोहिणी इलाके में हुई मुठभेड़ में मारा गया। पुलिस ने बताया कि कुलदीप उर्फ फज्जा यहां रोहिणी के सेक्टर-14 स्थित एक फ्लैट में दिल्ली पुलिस के विशेष प्रकोष्ठ की टीम के साथ हुई मुठभेड़ में घायल हो गया जिसे आम्बेडकर अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। कुलदीप दिल्ली में जीटीबी अस्पताल के बाहर गत बृहस्पतिवार को हुई मुठभेड़ के बाद पुलिस की हिरासत से भाग गया था। यह मुठभेड़ अपराह्न करीब साढ़े बारह बजे उस समय हुई थी, जब दिल्ली पुलिस की तीसरी बटालियन आरोपी को इलाज के लिए अस्पताल लेकर पहुंची थी।

पन्ना टाइगर रिज़र्व में बाघों कुनवा 70 पार, बाघिन टी-6 ने दिया चार नये शावकों को जन्म

पन्ना। मध्य प्रदेश के पन्ना टाइगर रिज़र्व में एक बार फिर बाघिन टी-6 ने चार शावकों को जन्म दिया है। बाघ पुनःस्थापना में बाघिन टी-6 का योगदान रहा है। उक्त बाघिन को पेंच टाईगर रिजर्व से 2014 में यहाँ लाया गया था। जिसने हाल ही में चार शावकों को जन्म दिया है। इन चार शावकों सहित बाघिन टी-6 से 17 शावकों को जन्म दे चुकी है। जिसके बाद पन्ना टाइगर रिज़र्व में अब बाघों का कुनबा 70 के पार जा चुका है। अब यहाँ वयस्क और शवक मिलाकर 75 के लगभग टाइगर हो गए है। फील्ड डायरेक्टर पन्ना टाइगर रिज़र्व उत्तम कुमार शर्मा ने बताया कि 22 जनवरी 2014 को पेंच टाइगर रिजर्व से पन्ना टाइगर रिज़र्व लाई गई बाघिन टी-6 ने अपने छठवें लिटर में 04 शावकों को जन्म दिया है। टी-6 के शावकों की पहली फोटो दिनांक 26 मार्च को प्राप्त हुई है। बाघ शावक की उम्र लगभग 2-3 माह है। टी-6 एवं शावक स्वस्थ्य हैं। टी-6 अब तक पन्ना टाइगर रिज़र्व को 17 बाघ शावक दे चुकी है। उन्होंने बताया कि पिछले तीन माह के दौरान पन्ना टाइग रिज़र्व में 13 शावकों का जन्म हो चुका है जो टाइगर रिज़र्व के लिए गर्व और खुशी की बात है। आने वाले दिनों में और बाघिनें भी शावकों को जन्म देने वाली है।

सचिन वाझे को लेकर मीठी नदी पहुंची एनआईए , मिले अहम सबूत

नई दिल्ली। मनसुख हिरेन हत्याकांड को लेकर एनआईए अब सचिन वाझे को मुंबई के मीठी नदी लेकर पहुंची है। एनआईए के मुताबिक, मंबई पुलिस के निलंबित अधिकारी सचिन वाझे ने नदी में हार्ड डिस्क को नदी में फेंकने और सबूत को मिटाने की कोशिश की है जिसको ढुंढने के लिए एनआईए सचिन वाझे को लेकर मीठी नदी पहुंची। बता दें कि गोताखोरों की मदद से नदी से कई अहम सबूत मिले हैं जिसमें कंप्यूटर का सीडीआर (ष्टष्क) बरामद किया गया है। इसके अलावा वाजे पर सबूत को मिटाने का आरोप लगा है।

30 में से 26 सीटों पर जीतने के अमित शाह के दावे को ममता बनर्जी ने किया खारिज

मुंबई। (एजेंसी)।

चंडीपुर/कोलकाता। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के प्रथम चरण में 30 सीटों में से 26 पर भाजपा के जीतने के केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के दावे को तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने खारिज करते हुए रविवार को कहा कि मतगणना के बाद जनता का फैसला पता चल जाएगा। शाह ने दिन में नयी दिल्ली में अपने आवास पर संवाददाता सम्मेलन में यह दावा किया था। हालांकि, ममता ने शाह का नाम नहीं लिया, लेकिन उन्होंने सवाल किया कि चुनाव होने के महज एक दिन बाद ही इस तरह का दावा कैसे किया जा सकता है। मुख्यमंत्री ने नंदीग्राम से लगे चंडीपुर विधानसभा क्षेत्र में एक चुनाव रैली में चुटकी लेते हुए कहा, ''एक नेता ने आज कहा कि भाजपा पहले चरण की 30 में से 26 सीटों पर जीत हासिल करेगी, सभी 30 सीटों पर दावा क्यों नहीं कर दिया, क्या उन्होंने शेष सीटें कांग्रेस और माकपा के लिए छोड़ दी है?'' ममता ने कहा कि वह किसी तरह का अनुमान नहीं लगाएंगी। उन्होंने कहा कि यह जनता का फैसला है, जो मतगणना के बाद पता चलेगा। बंगाल में आठ चरणों में विधानसभा चुनाव हो रहे हैं और मतगणना दो मई को होगी। उन्होंने कहा, ''चूंकि 84 प्रतिशत मतदान हुआ है, मैं अंदाजा लगा सकती हूं कि लोगों ने हमारे पक्ष में वोट दिया है।'

तृणमूल कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य डेरेक ओ ब्रायन ने भी शाह के संवाददाता सम्मेलन के शीघ्र बाद एक ट्वीट में कहा, ''माइंड-गेम काम नहीं करेगा, मो-शा (मोदी-शाह के संदर्भ में)'' पार्टी के वरिष्ठ नेता ने कहा, ''सीटों पर अपना अनुमान लगाने का स्टंट गुजरात जिमखाना में करिए। यह बंगाल है। खेला होबे।'' तृणमूल सांसद के पोस्ट में ''टीएमसी स्वीप्स फेज1''(तृणमूल कांग्रेस प्रथम चरण के चुनाव में सूपड़ा साफ कर देगी) हैश टैग के साथ पार्टी के ''खेला होबे'' अभियान का भी जिक्र किया गया है। शाह ने संवाददताओं से कहा कि प्रथम चरण में मतदान प्रतिशत के अधिक रहने से यह संकेत मिलता है कि भाजपा 30 सीटों पर हुए चुनाव में ज्यादातर को अपनी झोली में डालेगी। वहीं, ममता ने लोगों से भूल जाने को कहा कि किसी सीट पर तृणमूल कांग्रेस का उम्मीदवार कौन है। उन्होंने कहा कि हर सीट पर पार्टी की उम्मीदवार वही (तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ही) हैं। नंदीग्राम सीट पर एक अप्रैल को चुनाव होने वाला है। वहां ममता के अलावा 29 अन्य उम्मीदवार हैं।

ममता ने तृणमूल कांग्रेस के पोलिंग एजेंटों से कहा कि वे किसी भी कीमत पर बूथ नहीं छोड़ें। उन्होंने कहा कि यदि कोई पार्टी के खिलाफ काम करेगा या विपक्षी दलों से पैसे लेगा, तो उन्हें पता चल जाएगा, क्योंकि उनकी नजर सब पर है। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ने कहा, ''अन्य स्थानों पर मुझे इस तरह की चीजें होने की आशंका नहीं है, लेकिन यहां गद्दारों के चलते यह स्थिति है।'' गौरतलब है कि शुभेंदु अधिकारी, उनके पिता शिशिर अधिकारी और उनके एक भाई सौमेंदु ने तृणमूल कांग्रेस छोड़ कर भाजपा का दामन थाम लिया है। ममता ने यह दावा भी किया कि हैदराबाद

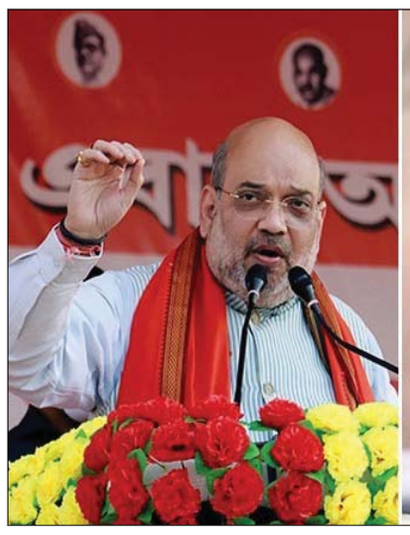

का एक नेता बंगाल में अल्पसंख्यक वोट बांटने के लिए आया है। उन्होंने जानना चाहा कि दिल्ली और गुजरात में हुए सांप्रदायिक दंगों के दौरान वह कहां थे। एआईएमएआईएम नेता असदुद्दीन ओवैसी ने बंगाल में कुछ सीटों पर उम्मीदवार उतारने की बात कही थी।

राजनाथ सिंह बोले- केंद्रीय एजेंसियों के खिलाफ न्यायिक जांच दुर्भाग्यपूर्ण

तिरुवनंतपुरम। (एजेंसी)।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को कहा कि सोने और डॉलर की तस्करी के मामलों की जांच कर रहे प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) समेत केंद्रीय जांच एजेंसियों के खिलाफ न्यायिक जांच की सिफारिश करने का केरल सरकार का फैसला ''दुर्भाग्यपूर्ण'' है और यह एक तरह से संविधान की संघीय व्यवस्था को चुनौती देना है। केरल में छह अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनाव में भाजपा-राजग उम्मीदवारों के लिए प्रचार कर रहे राजनाथ ने यहां कहा कि समान नागरिक संहिता (यूसीसी) सभी समुदायों को भरोसे में लेने के बाद ही लागू की जाएगी। भाजपा ने अपने चुनाव घोषणापत्र में यूसीसी का जिक्र किया है। सिंह ने यहां पत्रकारों से कहा, ''हम सभी समुदायों को विश्वास में लेंगे और फिर आगे बढ़ेंगे। हम इस फैसले पर अडिग हैं।'' ईंधन की कीमतें बढ़ने पर उन्होंने कहा कि केंद्र ने सभी राज्यों से पेट्रोल पर राज्य शुल्क कम करने का अनुरोध किया था। तस्करी के मामलों पर उन्होंने कहा, ''मुझे यह मालूम चला कि प्रवर्तन निदेशालय इस मामले की जांच कर रहा है और फिर केंद्रीय एजेंसी के खिलाफ एक न्यायिक आयोग नियुक्त किया गया। यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। इसका मतलब है कि राज्य सरकार संविधान की संघीय व्यवस्था को चुनौती दे रही है। यह 100 प्रतिशत संविधान के खिलाफ है।'' माकपा के नेतृत्व वाली एलडीएफ सरकार ने हाल ही में ईडी समेत केंद्रीय एजेंसियों के खिलाफ न्यायिक जांच का आदेश देने का फैसला किया। उसने सोना तस्करी और डॉलर घोटाले में कथित तौर पर ''जांच को भटकाने'' की बात कहकर यह आदेश दिया। इससे कुछ दिन पहले केरल अपराध शाखा ने कुछ ईडी अधिकारियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की थी। सत्तारूढ़ माकपा नीत एलडीएफ और विपक्षी दल कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ पर निशाना साधते हुए सिंह ने कहा कि 100 प्रतिशत साक्षरता के बावजूद केरल विभिन्न क्षेत्रों में अन्य राज्यों से पीछे है। उन्होंने कहा, ''इसकी मुख्य वजह है कि आजादी के सात दशकों बाद भी राज्य एलडीएफ और यूडीएफ के चंगुल से बाहर नहीं आ सका है। राज्य को नए राजनीतिक विकल्प की जरूरत है और केवल भाजपा यह दे सकती है। यूडीएफ और एलडीएफ मैत्री मैच खेल रहे हैं। यूडीएफ या एलडीएफ में से कोई भी जीते लेकिन अंत में केरल के लोगों की हार ही होती है। केरल में कांग्रेस और कम्युनिस्ट एक-दूसरे के खिलाफ लड़ रहे हैं लेकिन 2,000 किलोमीटर दूर वे हमसे एक साथ लड़ रहे हैं।'' सिंह ने कहा कि दोनों मोर्चे झूठे वादे कर रहे हैं और वे केरल के लोगों की आकांक्षाओं को समझने में नाकाम रहे हैं। भाजपा नेता ने कहा कि एलडीएफ को लोगों को झूठी उम्मीद देने की बजाय अपने वादे पूरे करने के लिए किए काम पर रिपोर्ट देनी चाहिए। दोनों मोर्चों की तुष्टीकरण की नीतियां केरल को विकास के रास्ते से दूर ले गईं।

चीन की हर चाल पर होगी पैनी नजर, अप्रैल में भारत में लैंड होंगे 10 और राफेल विमान

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय वायुसेना की ताकत अप्रैल महीने में बढ़ने वाली है। अप्रैल में कम से कम 10 राफेल जेट भारतीय वायुसेना में शामिल होने वाले हैं। नए लड़ाकू विमान आने के बाद भारतीय वायुसेना में राफेल की संख्या बढ़कर 21 हो जाएगी। पहले ही 11 राफेल भारत पहुंच चुके हैं और अंबाला स्क्वॉड्रन में शामिल हैं। सरकार के सूत्रों ने समाचार एजेंसी एएनआई को बताया, 'अगले दो से तीन दिनों के अंदर तीन राफेल विमान फ्रांस से सीधे उड़ान भरकर भारत पहुंचेंगे। इन विमानों में ईंधन हवा के बीच भरा जाएगा। इसके बाद अप्रैल महीने के दूसरे पखवाड़े में 7-8 और राफेल विमान और उनके ट्रेनर वर्जन भारत पहुंच जाएंगे।' राफेल विमान पहली बार बीते साल जुलाई-अगस्त में भारतीय वायुसेना में शामिल होने शुरू हुआ थे। इसके बाद इस विमान को चीन से सीमा गतिरोध के बीच उसकी हरकतों पर नजर रखने के लिए पूर्वी लद्दाख और अन्य इलाकों में गश्ती पर लगाया गया था। सूत्र ने बताया कि फ्रांस से ये विमान सीधे अंबाला में लैंड करेंगे। कुछ समय बाद इनमें से कुछ विमानों को बंगाल के हाशिमारा एयरबेस भेज दिया जाएगा जहां दूसरी स्क्वॉड्रन बनाने की प्रक्रिया पहले ही शुरू कर दी गई है। हाशिमारा एयरफोर्स स्टेशन भूटान के करीब है। यह तिब्बत से सिर्फ 384 किलोमीटर दूर है। भारत ने सितंबर 2016 में फ्रांस के साथ 36 राफेल लड़ाकू विमान खरीदने के लिए सौदा किया था। अप्रैल के आखिर तक 50 प्रतिशत से ज्यादा विमान भारत पहुंच चुके होंगे। भारत अब 114 मल्टीरोल एयरक्राफ्ट खरीदने का भी समझौता करेगा। हालांकि, अभी इन्हें भारतीय वायुसेना में शामिल होने में 15 से 20 साल लगेंगे। औपचारिक तौर पर सितंबर में सेना में शामिल होने के बाद राफेल की दूसरी खेप बीते साल नवंबर में भारत पहुंची थी।

महाराष्ट्र में लग सकता है लॉकडाउन, मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने लोगों को प्रतिबंधों के लिए तैयार रहने को कहा

महाराष्ट्र। (एजेंसी)।

वरिष्ठ स्वास्थ्य अधिकारियों और कोविड टास्क फोर्स के साथ बैठक में उद्धव ठाकरे ने निर्देश दिए हैं कि अगर लोग कोविड ??से संबंधित नियमों का उल्लंघन करना जारी रखते हैं तो लॉकडाउन जैसे प्रतिबंधों के लिए तैयार रहें।कोरोना वायरस के मामलों में हाल में हुई बढ़ोतरी पर काबू करने के लिए जूझ रही महाराष्ट्र सरकार ने राजनीतिक और धार्मिक सहित सभी प्रकार की सभाओं के आयोजन पर पूर्ण प्रतिबंध की शनिवार को घोषणा की। एक सरकारी आदेश में कहा गया है कि रेस्तरां, उद्यान और मॉल रात 8 बजे से सुबह 7 बजे तक बंद रहने चाहिए। आदेश में यह भी कहा गया है कि लोगों को रात 8 बजे से सुबह 7 बजे के दौरान समुद्र तटों पर जाने की अनुमति नहीं होगी, ड्रामा थिएटर भी शनिवार रात से बंद रहेंगे। ये आदेश शनिवार की मध्यरात्रि से लागू होंगे। हालांकि, सरकार ने अपने नए दिशानिर्देशों में रात के समय खाने की डिलीवरी में छूट दी है। आदेश में कहा गया है, ''रात 8 बजे से सुबह 7 बजे तक पांच से अधिक लोगों के इकट्ठा होने की अनुमति नहीं होगी।

उल्लंघन करने पर प्रति व्यक्ति 1,000 रुपये का जुर्माना लगेगा।'' इसमें कहा गया है, ''बगीचों और समुद्र तटों सहित सभी

सार्वजनिक स्थानों को इसी अवधि के दौरान बंद रखा जाएगा और उल्लंघनकर्ताओं पर प्रति व्यक्ति 1,000 रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा। मास्क न पहनने पर 500 रुपये का जुर्माना लगेगा जबकि सार्वजनिक स्थान पर थूकने पर 1,000 रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा।'' इसमें कहा गया है कि राज्य में सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक और धार्मिक समारोहों के आयोजन पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाया जा रहा है। आदेश में कहा गया है कि प्रेक्षागृह या ड्रामा थिएटर को इस तरह के आयोजनों के लिए अपनी संपत्ति का इस्तेमाल करने की अनुमति नहीं देनी चाहिए। कोविड??-19 मामलों के बढ़ते मामलों के मद्देनजर राज्य के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने शुक्रवार को अधिकारियों को दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 144 लागू करने का निर्देश दिया था, जिसके तहत 28 मार्च से राज्य में रात में पांच या अधिक व्यक्तियों के एक जगह एकत्रित होने पर प्रतिबंध लगा दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने चेतावनी दी थी यदि लोगों ने कोविड??-19 सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन नहीं किया तो कड़े प्रतिबंध लगाये जाएंगे। शनिवार को जारी आदेश के अनुसार, कोविड-19 रोगियों के दरवाजे पर 14 दिनों की अवधि के लिए एक बोर्ड लगाया जाएगा, जिसे उस दिन से गिना जाएगा जब मरीज घर में पृथकवास की अवधि शुरू करेगा। नये निर्देशों के अनुसार यदि कोई रोगी नियमों का उल्लंघन करते हुए पाया जाता है, तो उसे तुरंत संबंधित स्थानीय अधिकारियों द्वारा एक कोविड-19 देखभाल केंद्र में स्थानांतरित कर दिया जाएगा। ये सभी आदेश 30 अप्रैल तक प्रभावी रहेंगे।

नहीं थम रही कोरोना की लहर, विश्व में कोरोना संक्रमितों की संख्या 12.67 करोड़ के पार

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

दुनिया में कोरोना वायरस (कोविड-19) महामारी से संक्रमितों की कुल संख्या 12.67 करोड़ के पार पहुंच गयी है और इस महामारी के संक्रमण से 27.77 लाख से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। अमेरिका की जॉन हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के विज्ञान एवं इंजीनियरिंग केंद्र (सीएसएसई) की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक दुनिया के 192 देशों एवं क्षेत्रों में कोरोना संक्रमितों की कुल संख्या बढ़कर 12 करोड़ 67 लाख 32 हजार 921 तक पहुंच गयी है, जबकि अभी तक इस वायरस के संक्रमण से मरने वालों की संख्या 27 लाख 77 हजार 684 हो गयी है तथा सात करोड़ 17 लाख 89 हजार से अधिक लोग ठीक हो चुके हैं। वैश्विक महाशक्ति माने जाने वाले अमेरिका में कोरोना वायरस का कहर बढ़ता ही जा रहा है तथा यहां संक्रमितों की संख्या बढ़कर तीन करोड़ की संख्या पार कर चुकी है। देश में कोरोना संक्रमितों की संख्या तीन करोड़ दो लाख 18 हजार 682 हो गई है जबकि पांच लाख 48 हजार 828 मरीजों की मौत हो चुकी है। दुनिया में एक करोड़ से अधिक कोरोना संक्रमितों की संख्या वाले तीन देशों में शामिल ब्राजील दूसरे स्थान पर है और यहां अब तक एक करोड़ 24 लाख 90 हजार 362 लोग इस वायरस के संक्रमण से प्रभावित हुए हैं। यहां तीन लाख 10 हजार 550 मरीजों की मौत हो चुकी है। भारत के कई राज्यों में कोरोना के मामले बहुत फिर तेजी से बढ़ रहे हैं और यह विश्व में तीसरे स्थान पर बरकरार है। पिछले 24 घंटों के दौरान कोरोना संक्रमण के 62,714 नये मामले सामने आये हैं जिससे संक्रमितों की संख्या एक करोड़ 19 लाख 71 हजार 624 हो गयी है। इस दौरान 28,739 मरीज स्वस्थ हुए हैं जिसे मिलाकर अब तक 1,13,23,762 मरीज कोरोनामुक्त भी हो चुके हैं। सक्रिय मामले 33,663 से बढ़ने से अब 4,86,310 हो गये हैं। इसी अवधि में 312 और मरीजों की मौत के साथ ही मृतकों की कुल संख्या 1,61,552 हो गयी है। शीर्ष तीन देशों के बाद संक्रमण से सवार्धिक प्रभावित देशों में चौथे स्थान पर अब फ्रांस पहुंच गया है। फ्रांस में कोरोना से अब तक 45.69 लाख से अधिक लोग संक्रमित हुए हैं जबकि 94,623 मरीजों की मौत हुयी है। इसके बाद रूस में कोरोना वायरस से 44.69 लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं और 95,792 लोगों की मौत हो चुकी है। ब्रिटेन में कोरोना वायरस प्रभावितों की कुल संख्या 43.43 लाख के पार पहुंच गयी है और 1,26,813 लोगों की मौत हो चुकी है। इटली में संक्रमितों की संख्या 35.12 लाख से अधिक हो गई है और 107,636 लोगों की मौत हो चुकी है। स्पेन में इस महामारी से अब तक 32.55 लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं और 75,010 लोगों की मौत हो चुकी है। तुर्की में कोरोना वायरस से अब तक 31.79 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं और 30,923 लोगों ने जान गंवाई है। जर्मनी में इस वायरस की चपेट में आने वालों की संख्या करीब 27.83 लाख हो गई है और 75,916 लोगों की मौत हो चुकी है। कोलंबिया में कोरोना वायरस से अब तक 23.75 लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं और 62,790 लोगों ने जान गंवाई है।

कांग्रेस उम्मीदवार का नोट बांटते कथित वीडियो वायरल, भाजपा पहुँची चुनाव आयोग

भोपाल। (एजेंसी)।

मध्य प्रदेश की दमोह विधानसभा सीट पर हो रहे उपचुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी अजय टंडन का सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है। जिसमें कांग्रेस उम्मीदवार अजय टंडन लोगों को नोट बांटते हुए दिखाए दे रहे हैं। इस मामले में भाजपा ने निर्वाचन आयोग से मामले को संज्ञान में लेकर कार्रवाई की मांग की है। जबकि कांग्रेस प्रत्याशी अजय टंडन ने इसे सरे से नाकारते हुए कहा है कि वह चुनावी पर्चे बांट रहे थे। दमोह विधानसभा उपचुनाव में भाजपा उम्मीदवार राहुल सिंह लोधी और कांग्रेस उम्मीदवार अजय टंडन के बीच ही मुख्य मुकाबला होना है और दोनों उम्मीदवार क्षेत्र में जमकर प्रचार कर रहे हैं। इसी बीच सोशल मीडिया पर शनिवार को कांग्रेस उम्मीदवार अजय टंडन द्वारा लोगों को नोट बांटते हुए कथित एक वीडियो वायरल हुआ, जो शहर के समीपस्थ ग्राम कोटा तला का बताया जा रहा है। एक दिन पहले ही टंडन यहां चुनाव प्रचार के लिए गए थे और इस दौरान उन्होंने लोगों से मुलाकात की थी। वायरल वीडियो में वे लोगों से बातचीत के बीच कथित तौर पर नोट बांटते हुए दिखाई दे रहे हैं। इस वीडियो के सामने आने के बाद भाजपा के प्रदेश मीडिया प्रभारी लोकेंद्र पाराशर ने ट्वीट करते हुए कहा है कि चुनाव आयोग को तत्काल इस मामले में कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने मांग की है कि चुनाव आयोग इस पर कार्रवाई करते हुए तत्काल कांग्रेसी प्रत्याशी की उम्मीदवारी समाप्त कर उनके खिलाफ कार्रवाई करें। हालांकि इस मामले में दमोह कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी तरुण राठी का कहना है कि उन्हें इसकी कोई जानकारी नहीं है। वे मामले की जानकारी लेंगे और ऐसी कोई शिकायत उनके पास आएगी तो वे मामले की जांच कराएंगे और उचित कार्रवाई करेंगे। वही इस मामले को लेकर भाजपा के प्रतिनिधि मंडल ने शनिवार को चुनाव आयोग से शिकायत की है। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री भगवानदास सबनानी ने कहा कि दमोह में कांग्रेस प्रत्याशी द्वारा नोट बांटे जाने का वीडियो वायरल हुआ है। कांग्रेस प्रत्याशी का यह कृत्य भ्रष्ट आचरण और कदाचरण की श्रेणी में आता है। सबनानी ने कहा कि यह वीडियो ऐसा प्रमाण है, जिसके आधार पर कांग्रेस प्रत्याशी की उम्मीदवारी रद्द की जा सकती है। उन्होंने निर्वाचन आयोग से मांग की कि आदर्श आचार संहिता के प्रावधानों के अनुसार कांग्रेस प्रत्याशी का नामांकन रद्द किया

जाए। सबनानी ने कहा कि कांग्रेस फिर से अपनी पुरानी हथकंडेबाजी पर उतर आई है और नोट बांटकर वोट हथियाने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को अपनी पुरानी आदतों से बाज आना चाहिए क्योंकि मध्य प्रदेश की जनता ने उनकी इस हथकंडेबाजी को नकार दिया है। सबनानी ने कहा कि कांग्रेस इस तरह के आचरण से और भी रसातल में चली जाएगी। दमोह विधानसभा सीट पर उपचुनाव के लिए आगामी 17 अप्रैल को मतदान होना है और फिलहाल नामांकन जमा करने की प्रक्रिया चल रही है।

भाजपा के एक विधायक पर हुए हमले को लेकर पंजाब के राज्यपाल ने सीएम से मांगी रिपोर्ट

चंडीगढ़। पंजाब के राज्यपाल वी पी सिंह बदनौर ने मुक्तसर जिले में भाजपा के एक विधायक पर हाल में हुए हमले की रविवार को निंदा की और इस संबंध में कांग्रेस के नेतृत्व वाली राज्य सरकार से एक रिपोर्ट मांगी है। राज्यपाल ने पंजाब के मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह को इस घटना को लेकर अपनी गंभीर चिंता से अवगत कराया। अबोहर से भाजपा विधायक अरुण नारंग की शनिवार को मुक्तसर जिले के मलोट में किसानों के एक समूह द्वारा कथित रूप से पिटाई की गई और उनकी शर्ट फाड़ दी गई। भाजपा विधायक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करने के लिए मलोट गए थे। पंजाब के भाजपा नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने राज्य इकाई के अध्यक्ष अश्वनी शर्मा और केन्द्रीय मंत्री सोम प्रकाश के नेतृत्व में राज्यपाल से मुलाकात की और उन्हें एक ज्ञापन सौंपा। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, ज्ञापन में कांग्रेस सरकार के इशारे पर भाजपा कार्यकर्ताओं और नेताओं पर ''अवैध और असंवैधानिक तरीके से बढ़ते हमलों'' पर प्रकाश डाला गया है। इसमें कहा गया है कि प्रतिनिधिमंडल ने ''सत्तारूढ़ पार्टी द्वारा समर्थित राजनीतिक रूप से प्रेरित उपद्रवियों'' के नारंग पर हिंसक हमला करने के बारे में राज्यपाल को जानकारी दी। बयान के अनुसार, प्रतिनिधिमंडल ने कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार को बर्खास्त करने और राज्य में कानून व्यवस्था बहाल करने का आह्वान किया। राज्यपाल ने नारंग पर हमले की निंदा की। बदनौर ने एक बयान में कहा कि राज्य सरकार किसी पर भी इस तरह के गैरकानूनी और हिंसक हमलों की अनुमति नहीं दे सकती है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)